RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ.. सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

अहंकार मनुष्य का बहुत बड़ा दुश्मन है। वह सोने के हार को भी मिट्टी का बना देता है।

महर्षि वाल्मीकि

वर्ष-05, अंक - 37 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 15 जून 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सचिवालय की किसी भी बिल्डिंग के पास नहीं है कोई फायर एनओसी

भोपाल।

मध्यप्रदेश की राजधानी के सतपुड़ा भवन में लगी आग की जांच जारी है। इसी बीच चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। दरअसल, राज्य सचिवालय के किसी भी भवन के पास फायर एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) नहीं है। इसके अलावा, नियमों का पालन नहीं करने पर दंड काफी कम है, क्योंकि मध्य प्रदेश में अग्नि सुरक्षा अधिनियम रिन्यू नहीं हुआ है। नवनिर्मित मंत्रालय भवन को एक सलाहकार से सेफ्टी ऑडिट की मंजूरी लेना बाकी है जोकि लंबित है।

भोपाल नगर निगम (बीएमसी) के एक अधिकारी के अनुसार, सतपुड़ा, विंध्याचल और वल्लभ भवन आग की घटनाओं के मामले में सबसे अधिक संवेदनशील हैं। हालांकि नए राज्य सचिवालय ने नई अग्निशमन प्रणालियां (फायर फाइटिंग सिस्टम) को स्थापित किया है, लेकिन इसे अभी तक बीएमसी से अग्नि सुरक्षा प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। नेशनल बिल्डिंग कोड ऑफ इंडिया 2016 अग्नि सुरक्षा आवश्यकताओं की रूपरेखा तैयार करता है, लेकिन एमपी में फायर सेफ्टी एक्ट की अनुपस्थिति की वजह से कोई जुर्माना नहीं लगाया जा सकता।

नर्सिंग कॉलेजों में गड़बड़ी समेत 12 हजार फाइलें खाक

सतपुड़ा भवन में सोमवार को लगी आग में कुल 12 हजार फाइलें जल गई हैं। इमारत में मध्य प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य, परिवहन और आदिवासी मामलों जैसे महत्वपूर्ण विभाग काम कर रहे थे। भले ही यह आग बुझा दी गई हो लेकिन इस मसले पर सियासी लपटें तेज होती जा रही हैं। सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस के बीच

सियासी नोंकझोंक देखी जा रही है। सूत्रों ने बताया कि, जल चुकी 12 हजार फाइलों में नर्सिंग कॉलेजों में गड़बड़ी, कोरोना काल के दौरान हुए खर्च समेत विभिन्न एजेंसियों की फंडिंग से संबंधित फाइलें थीं।

कांग्रेस में शामिल हुए सिंधिया समर्थक

भोपाल। मध्यप्रदेश में चुनाव नजदीक आते ही नेताओं ने दल बदलना शुरू कर दिया है। बुधवार को भाजपा के नेता बैजनाथ सिंह यादव कांग्रेस में शामिल हो गए। भोपाल में एक कार्यक्रम में एमपी के पूर्व सीएम कमलनाथ ने उन्हें शपथ दिलाई। मंगलवार को बैजनाथ यादव ने भाजपा से इस्तीफा दे दिया था। अब एक दिन बाद ही उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया। बैजनाथ यादव सिंधिया समर्थक नेता माने जाते हैं। बुधवार को भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कांग्रेस की दोबारा सदस्यता ग्रहण की है।

कांग्रेस में शामिल होने से पहले बैजनाथ यादव भाजपा की कार्यसमिति के सदस्य थे। शिवपुरी के प्रभावी नेता माने जाने वाले यादव केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक माने जाते है। 2020 में उन्होंने सिंधिया के समर्थन में ही भाजपा का दामन थामा था। अब भाजपा से इस्तीफा देने के बाद फिर से कांग्रेस पार्टी में आ गए हैं।

कमलनाथ ने जताई खुशी

बैजनाथ यादव के कांग्रेस में शामिल होने के दौरान पूर्व सीएम कमलनाथ ने खुशी जताई और कहा कि, यह जो आप लोग साथ दे रहे हैं यह केवल कांग्रेस का साथ नहीं दे रहे हैं, बल्कि आप सच्चाई का साथ दे रहे हैं। इस दौरान घर वापसी कर रहे नेताओं को संबोधित करेत हुए कमलनाथ ने कहा कि उन्हें कांग्रेस में उनकी सच्चाई के प्रति उनकी निष्ठा खींचकर लाई है।

छात्र-छात्राओं को ई-स्कूटी देगी शिवराज सरकार

भोपाल। मध्यप्रदेश कैबिनेट ने प्रदेश के समस्त शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में प्रथम स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को ई-स्कूटी देने को स्वीकृति दे दी है। गृह मंत्री और प्रदेश सरकार के प्रवक्ता डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कैबिनेट की बैठक के बाद बताया कि, सरकार प्रदेश के 9 हजार छात्र-छात्राओं को ई-स्कूटी देगी। प्रदेश के सभी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में पहला स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को यह ई-स्कूटी दी जाएगी। जिन क्षेत्रों में ई-स्कूटी उपलब्ध नहीं है, वहां इन प्रतिभाशाली बच्चों को स्कूटी प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि, जिले के अंदर के स्थानांतरण 15 से 30 जून तक के लिए खोले गए हैं।

ये है योग्यता

राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली इस ई-स्कूटी का लाभ उन विद्यार्थियों को मिलेगा जो शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में टॉप करेंगे। मध्य प्रदेश कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद यह जानकारी दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार, यह जिन इलाकों में ई-स्कूटी की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी वहां एमपी की शिवराज सरकार स्कूटी उपलब्ध कराएगी।

मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार ने स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए बड़ा ऐलान किया है। एमपी कैबिनेट ने मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि, सहकारिता नीति को कैबिनेट से अप्रूवल मिल गया है। ऐसा करने वाला मध्यप्रदेश देश में पहला राज्य बन गया है। ये सहकारिता नीति राज्य में सहकारिता को जन-आंदोलन बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। इसके माध्यम से नवीन क्षेत्रों में समितियां गठित होंगी और रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे।

राहुल गांधी पर फिर दर्ज हुआ मानहानि का केस

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर एक बार फिर से मानहानि का केस दर्ज हुआ है। भाजपा की शिकायत पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया सहित कई अन्य कांग्रेसी नेताओं को भी कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के खिलाफ यहां की अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अदालत में मानहानि का मामला दर्ज कराया है।

पूर्व एवं मौजूदा सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाली इस अदालत ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 499 (मानहानि) व 500 (मानहानि के लिए सजा) के तहत अपराध का संज्ञान लिया है तथा मामले की सुनवाई के लिए 27 जुलाई की तारीख निर्धारित की है। विशेष अदालत ने मंगलवार को इस संबंध में सभी प्रतिवादियों को समन जारी करने का निर्देश दिया। भाजपा के राज्य सचिव एस केशव प्रसाद ने विज्ञापनों में झूठे दावे कर पार्टी की छवि बिगाड़ने का आरोप लगाने वाली यह निजी शिकायत 9 मई को दायर की थी। शिकायत के मुताबिक, केपीसीसी ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले 5 मई को प्रमुख अखबारों में प्रकाशित विज्ञापन में दावा किया था कि, राज्य की तत्कालीन भाजपा सरकार 'भ्रष्टाचार में लिप्त थी' और उसने पिछले 4 वर्षों में डेढ़ लाख करोड़ रुपये लूटे हैं। शिकायत के अनुसार, विज्ञापन में केपीसीसी की ओर से किए गए दावे पूरी तरह से बेबुनियाद, पूर्वाग्रह से ग्रसित और मानहानिकारक थे।

सरकार बनते ही एक्शन मोड में आई कांग्रेस

बंगलुरू, एजेंसी।

कर्नाटक में बिटकॉइन घोटाला मामले की फिर से जांच की जाएगी। इसकी जानकारी गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को दी है। कर्नाटक में बिटकॉइन स्कैम पिछले वर्ष नवंबर में सामने आया था। उस समय कांग्रेस ने बसवराज बोम्मई सरकार पर इसे छिपाने की कोशिश करने का आरोप लगाया था क्योंकि इस घोटाले में बड़े नाम शामिल थे। इस पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड श्रीकृष्ण को बताया जाता है।

परमेश्वर ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा कि, कर्नाटक में अभी कांग्रेस की सरकार है, हम चीजें खोल रहे हैं। मैं बिटकॉइन मामले की फिर से जांच कर रहा हूं। हमें सत्ता में आए अभी एक महीना भी नहीं हुआ है।

मुख्य संदिग्ध, श्रीकृष्ण रमेश उर्फ श्रीकी पर राज्य सरकार की ई-खरीद साइट को हैक करने और 11.5 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी करने का आरोप लगाया गया था। मामले से संबंधित क्रिप्टोकरेंसी चोरी, ड्रग पेडलिंग और साइबर धोखाधड़ी के आरोप भी थे। पुलिस सब इंस्पेक्टर (पीएसआई) भर्ती घोटाले को लेकर गृह मंत्री ने कहा कि इस मामले में जांच चल रही है और मामला कोर्ट में भी है। सरकार प्रत्याशियों को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उम्मीदवारों को न्याय दिलाने के लिए, मैं महाधिवक्ता और पुलिस महानिदेशक से बात कर रहा हूं। हम चर्चा कर रहे हैं कि न्याय प्रदान करने के लिए क्या किया जा सकता है और हम वह सब करेंगे जो संभव है। मामले की जांच चल रही है।

भारत ने लालफीताशाही से 'रेड कार्पेट' का सफर पूरा किया- शाह

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के नौ वर्ष के कार्यकाल पूरा होने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुशी जताई। केंद्रीय मंत्री ने बुधवार को कहा कि, मोदी राज के 9 वर्ष में भारत ने लालफीताशाही से 'रेड कार्पेट' तक का सफर तय किया है। शाह ने कहा कि, मोदी सरकार ने एक परेशानी मुक्त कारोबारी माहौल बनाया, जिससे देश एक पसंदीदा एफडीआई केंद्र बन गया है। शाह ने यह भी कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी ने नौ साल के व्यापार में आसानी में विकास को गति देने के लिए भारत की आकांक्षाओं को उजागर किया है।

अमित शाह ने ट्विटर पर लिखा, भारत ने कारोबारी सुगमता के नौ वर्ष के दौरान लालफीताशाही से रेड कार्पेट तक का सफर पूरा किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक कुशल कर प्रणाली, निवेशक अनुकूल नीति और मंजूरी की आसान प्रक्रिया की शुरुआत की ताकि परेशानी मुक्त कारोबारी माहौल और भारत को एफडीआई का पसंदीदा केंद्र बनाया जा सके।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि, चाहे 'स्टार्ट अप इंडिया', 'स्टैंड अप इंडिया', उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना हो या डिजिटल परिवर्तन हो, सरकार के समग्र दृष्टिकोण ने नवाचार और विकास को बढ़ावा दिया है और सुविधानुसार तरीके से विकास सुनिश्चित किया है।

पहलवानों के मामले में दिल्ली पुलिस विफल, रिटायर्ड जज ने सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश मदन बी लोकुर ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दर्ज मामलों से निपटने और प्रदर्शनकारी पहलवानों के साथ किए गए बर्ताव को लेकर दिल्ली पुलिस की आलोचना की है। 'पहलवानों का संघर्षः संस्थानों की जवाबदेही' विषय पर एक परिचर्चा में भाग लेते हुए न्यायमूर्ति लोकुर ने कहा कि, पीड़ितों का ''फिर से उत्पीड़न'' हुआ है, क्योंकि पहलवान न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह फिर से उत्पीड़न का एक स्पष्ट मामला है...। पहलवानों ने कहा है कि, वे दबाव में हैं।

उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश ने कहा कि, पहलवानों को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि भाजपाके सांसद सिंह के खिलाफ उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने प्रक्रिया में देरी के लिए दिल्ली

पुलिस की आलोचना की। न्यायमूर्ति लोकुर ने कहा कि डब्ल्यूएफआई के पास यौन उत्पीड़न की शिकायतों से निपटने के लिए समिति नहीं है, जो कानून के खिलाफ है।

उन्होंने कहा, जब जनवरी में विरोध शुरू हुआ, तो ऐसा नहीं था कि उन्होंने सीधे जंतर-मंतर जाने का फैसला किया था। उन्होंने शिकायतें कीं, लेकिन कुश्ती महासंघ में कोई शिकायत समिति नहीं थी। न्यायमूर्ति लोकुर ने प्रदर्शनकारी पहलवानों को खतरे की आशंका के बारे में भी बात की और बताया कि उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि उन्हें सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा, हमने 28 मई को हुए वीभत्स दृश्य देखे...पीड़ितों को बताया जा रहा है कि वे अपराधी हैं, क्योंकि उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया। उच्चतम न्यायालय की वकील वृंदा ग्रोवर ने आरोप लगाया कि, सरकार ने पहलवानों के मामले में कानून का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा, आंतरिक शिकायत समिति का होना कानून के तहत अनिवार्य है। कुश्ती महासंघ में आईसीसी नहीं होने से कानून का उल्लंघन किया जा रहा है। ग्रोवर ने कहा कि, इस मामले के माध्यम से यह संकेत दिया जा रहा है कि महिलाओं को शक्तिशाली व्यक्तियों के खिलाफ यौन अपराध की रिपोर्ट दर्ज नहीं करानी चाहिए। दो ओलंपिक पदक विजेता और एक विश्व चैंपियन सहित भारत के शीर्ष पहलवान डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। सिंह पर महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाये हैं।

गुजरात की तरफ बढ़ रहा 'बिपरजॉय'

नई दिल्ली।

बिपरजॉय चक्रवात के गुरुवार को गुजरात के तट से टकराने की संभावना है। यह बीते 6 दशकों में कच्छ और पाकिस्तान के सिंध के तट से टकराने वाले सबसे ताकतवर चक्रवातों में से एक है। यही वजह है कि, इसको लेकर अलर्ट जारी है और प्रशासन लोगों को निकालने से लेकर तमाम सावधानियां बरत रहा है। अब तक गुजरात में ही 50 हजार लोगों को तटीय इलाकों से निकालकर दूसरे ठिकानों पर भेजा गया है।

एनडीआरएफ के डीआईजी ने बताया कि, 15 जून की शाम तक बिपरजॉय चक्रवात के तट से टकराने की संभावना है। इसके मद्देनजर अब तक हम 50 हजार लोगों को निकाल चुके हैं। बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ की 18 टीमों को तैनात किया गया है। इसके अलावा एसडीआरएफ की भी 13 टीमों की तैनाती हुई है। भारत के अलावा पाकिस्तान में भी बिपरजॉय से जान-माल के भीषण नुकसान की आशंका है। इसी के मद्देनजर सिंध के तट पर अलर्ट है। फिलहाल चक्रवात कराची शहर से 380 किलोमीटर दक्षिण में बताया जा रहा है। भारत के अलावा पाकिस्तान ने भी मछुआरों को समुद्र तट पर ना जाने की सलाह दी है। पिछले 60 वर्षों के इतिहास में यह ऐसा तीसरा चक्रवात है, जो पश्चिमी तट से टकराने वाला है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि, चक्रवातों की संख्या में इजाफा होना और उनकी क्षमता का बढ़ना क्लाइमेट चेंज की वजह से हो रहा है।

फिलहाल गुजरात के तटीय इलाकों में स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है। राज्य में फिशिंग को रोक दिया गया है और मछुआरों को भी समुद्र तट से दूर रहने को कहा गया है। बंदरगाहों पर भी काम स्थगित है। यही नहीं 69 ट्रेनों को भी कैंसिल किया गया है। पश्चिम रेलवे की ओर से जारी बयान में कहा गया, '69 ट्रेनों को कैंसिल किया गया है और 33 ट्रेनों का रूट छोटा हुआ है।' मौसम विभाग का कहना है कि राजस्थान के भी 12 जिलों में बिपरजॉय का असर देखने को मिल सकता है।

सोचता हूं कि वो कितने मासूम थे, क्या से क्या हो गए देखते-देखते

पत्नी के आशिक को साथ मिलकर उतारा मौत के घाट

जयस से जुड़ी सुमित्रा मेड़ा आरोपी पहुंची जेल

माही की गूंज, झाबुआ/मेघनगर।

सोचता हूं की वो कितने मासूम थे, क्या से क्या हो गए देखते-देखते। ये हिंदी फिल्म का खूबसूरत गाना है, बस गाने की थीम ओर ये पूरा मामला एक-दूसरे से पूरा जुड़ गया समझो। मेघनगर में रहने वाली सुमित्रा मेड़ा जो आदिवासी संगठन जयस से जुड़ी होकर लगातार सक्रिय रहकर थांदला विधानसभा चुनाव में उतरने की तैयारी कर रही थी, अचानक जीवन मे आये एक बड़े बवाल ने सब कुछ बर्बाद कर दिया। राजनीति में सक्रिय होकर भी सुमित्रा राजनीति के असुल समझ नही पाई और निजी जीवन में ऐसी गलती कर बैठी की उभरता राजनीतिक जीवन एक झटखे मे फर्श आ गिरा।

हत्या जैसी संगीन जुर्म की बन गई आरोपी, प्रेम प्रसंग में पति ने प्रेमी की ली जान

मेघनगर में आरोपी राजू मेड़ा व सहयोगी सुमित्रा मेड़ा तथा पुष्पा गणावा द्वारा रितेश डामोर निवासी सजेली मालजी सात की चाकू से वार कर हत्या 11 जून को रात सवा 11 बजे आवास कालोनी में की गई।

सूचना मिलने पर तत्काल मुख्य आरोपी राजु मेड़ा को जीवन ज्योति अस्पताल से पुलिस अभिरक्षा में ले लिया गया था। इसके बाद घटना की सूचना आशीष भाभर द्वारा करने पर अपराध क्रमांक 297/2023 धारा 302, 34 भादवि का पंजीबंध कर विवेचना की गई। विवेचना में हत्या संबंधित भौतिक एवं परिस्थिति जन्य साक्ष्य संकलित किये गये, एवं फरार आरोपीयों की गिरफ्तारी हेतु अधिकारीयो की गठित थाने की टीम द्वारा सुमित्रा मेड़ा एवं पुष्पा गणावा को भी हिरासत में लिया जाकर तीनों से घटना के संबंध में पुछताछ की गयी तो जुर्म करना स्वीकार किया गया। तीनों ही आरोपीयों को गिरफ्तार किया गया और घटना में उपयोग किया हुआ चाकू एवं मृतक रितेश के शैक्षणिक दस्तावेज जो कि, आरोपीया सुमित्रा मेड़ा के पास थे जप्त किये गये। मृतक रितेश डामोर तथा आरोपी सुमित्रा मेड़ा का प्रेम-प्रसंग होने से आरोपी राजु मेड़ा जो कि, आरोपीया सुमित्रा मेड़ा का पति है, को नागावार गुजर रही थी जिससे व्यथित होकर अपनी पत्नी सुमित्रा एवं उसकी साथी पुष्पा गणावा के साथ मिलकर रितेश की हत्या कर दी।

सोशल मीडिया पर जयस को लेकर चर्चा तो जयस ने सुमित्रा मेड़ा से झाड़ा पल्ला

पूरे मामले के बाद सोशल मीडिया पर मानो भूचाल आ गया, कई संगठन और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वीयो ने जयस नारी शक्ति सुमित्रा मेड़ा को लेकर कई पोस्ट करते हुए जयस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। वही विधायक हीरालाल अलावा ग्रुप के जिलाध्यक्ष विजय डामर ने पोस्ट कर बताया कि, जयस का सुमित्रा मेड़ा से कोई लेना-देना नही है। हालांकि सुमित्रा मेड़ा जयस के दूसरे गुट आनन्द रॉय ग्रुप से जुड़ी थी और लगातार जयस के नाम पर सक्रिय होकर कई आंदोलन का हिस्सा बनी। जिला पंचायत के चुनाव में क्षेत्र क्रमांक 11 से चुनाव मैदान में उतरी थी हार के बावजूद

सक्रिय होकर थांदला विधानसभा से टिकिट की मांग थी। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से मुलाकात का फोटो सोशल मीडिया पर अपडेट करने के बाद काफी ट्रोल की गई थी। इस पूरे मामले में सुमित्रा मेड़ा की क्या भूमिका थी ये फिलहाल कहा नही जा सकता लेकिन इस अपराध का कारण प्रेम प्रसंग के रूप में सामने आया, जो सुमित्रा मेड़ा के राजनीतिक जीवन की पूरी तरह समाप्त कर गया।

बहुचर्चित पोस्ट ऑफिस घोटाले में चार आरोपियों को हुई सजा

माही की गूंज, पेटलावद।

नगर का बहुचर्चित पोस्ट ऑफिस घोटाले में चार आरोपियों को सजा सुनाई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अपर सत्र न्यायालय पेटलावद में वर्ष 2017 से लंबित प्रकरण में बुधवार 14 जून 2023 को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए विभिन्न धाराओं में आरोपी संदीप पिता श्रेणिकलाल मुन्नत, श्रेणिक लाल पिता बापूलाल मुन्नत, आशादेवी पति श्रेणिकलाल मुन्नत, मंगलसिंह पिता पीदिया निनामा को दोषी पाते हुए भादवि की धारा 420/34 में पांच वर्ष का सश्रम कारावास तथा एक लाख रुपए का जुर्माना, धारा 467/34 में सात वर्ष कारावास एवं 25 हजार रुपए का जुर्माना, 471/34 में एक वर्ष का कारावास एवं 1 हजार रुपए का जुर्माना तथा मंगलसिंह, आशादेवी को धारा 409/34 में सात वर्ष की सजा एवं 25 हजार रुपए का जुर्माना, आरोपी संदीप, श्रेणिक को धारा 406/34 में तीन वर्ष का कारावास एवं 25 हजार रुपए का जुर्माना किया गया। उपरोक्त सभी धाराओं में हुई सजा को चारों आरोपीगण को प्रथक-प्रथक भुगताई जायेगी। इस प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी अतिरिक्त लोक अभियोजन अधिकारी श्रीमती मीरा चौधरी द्वारा की गई।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का 98.5 प्रतिशत हुआ भुगतान

माही की गूंज, झाबुआ।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 10 जून को ÷मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना÷ में 1209 करोड़ 64 लाख रुपये की राशि बहनों के खाते में अंतरित की है। अंतरित राशि में 98.5 प्रतिशत भुगतान सफल रहा है। शेष सभी 1.5 प्रतिशत मामलों को व्यक्तिगत रूप से चिन्हित किया गया है। समस्या का पता लगाकर आने वाले सप्ताह में सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिससे 25 जून के पहले हितग्राहियों के खाते में राशि जमा हो जाए।

प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन, उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत् सुधार और परिवार के निर्णयों में उनकी भूमिका सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना प्रारंभ की गई है। योजना में बहनों के बैंक खाते में प्रतिमाह 1 हजार रूपये की राशि जमा की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि, बहनों को प्रतिमाह मिलने वाली 1000 रूपये की राशि को बढ़ाकर क्रमशः 3 हज़ार किया जाएगा। आवश्यक वित्त व्यवस्था के फलस्वरूप योजना में 1000 रुपये के स्थान पर क्रमशः 1250 रूपये, इसके बाद 15 सौ रूपये, फिर 2 हजार और इसके बाद 22 सौ 50 रुपये, 25 सौ रूपये और फिर 27 सौ 50 रुपये करते हुए राशि को 3 हज़ार रूपये तक बढ़ाया जाएगा। इसी तरह योजना के लिए विवाहित पात्र बहन की न्यूनतम आयु 23 वर्ष के स्थान पर 21 वर्ष की गई है। वर्तमान में 23-60 वर्ष की विवाहित बहनें योजना में पात्र हैं। यदि किसी परिवार की 60 वर्ष से अधिक आयु की महिला को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अथवा अन्य किसी योजना में प्रतिमाह 1 हजार रूपये से कम राशि प्राप्त हो रही हो तो अतिरिक्त राशि योजना में स्वीकृत की जाएगी, जिससे उसे कुल 1 हजार रूपये की राशि प्राप्त हो सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि, लाड़ली बहना योजना में ऐसे परिवार भी लाभान्वित होंगे जहाँ ट्रेक्टर हैं। ट्रेक्टर को चार पहिया वाहन की श्रेणी में नहीं माना जायेगा। अतः इन परिवार की बहनों को भी 1 हजार रूपये प्रतिमाह मिलेंगे।

शासकीय धन का दुरूपयोगः कुकडीपाड़ा व नागनखेड़ी के पूर्व सरपंच-सचिव के विरूद्ध कार्यवाही

माही की गूंज, झाबुआ।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विहित प्राधिकारी, जिला पंचायत झाबुआ के आदेशानुसार कार्य समयसीमा में पूर्ण नही करते हुए शासकीय धन अपनी अभिरक्षा में अनाधिकृत रूप से आहरण करना प्रमाणित होने से ग्राम पंचायत कुकडीपाडा, जनपद पंचायत थांदला के पूर्व सरपंच श्रीमती रमतु नाथू कटारा एवं पूर्व सचिव लालचंद नागजी कटारा को संयुक्त रूप से उत्तरदायी माना। पूर्व सरपंच श्रीमती रमतु नाथू कटारा द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान संयुक्त रूप से शासकीय धन की प्रतिपूर्ति करने के लिये वसूली योग्य राशि 1 लाख 81 हजार 996 रूपये का दुरूपयोजन करने से समान अनुपात में राशि 90 हजार 998 हजार एवं लालचंद नागजी कटारा, पूर्व सचिव ग्राम पंचायत कुकडीपाडा, जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ भामल जनपद पंचायत थांदला) द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान संयुक्त रूप से शासकीय धन की प्रतिपूर्ति करने के लिये वसूली योग्य राशि 1 लाख 81 हजार 996 रूपये का दुरूपयोजन करने से समान अनुपात में राशि 90 हजार 998 रूपये नियमानुसार वसूली के आदेश पारित किये गये। साथ ही लालचंद नागजी कटारा, पूर्व सचिव ग्राम पंचायत कुकडीपाडा, जनपद पंचायत थांदला वर्तमान पदस्थ भामल जनपद पंचायत थांदला को अपने कार्य में लापरवाही बरतने के फलस्वरूप दो वेतनवृद्धि (संचयी) प्रभाव से रोकी जाती है।

आदेश प्राप्ति से एक माह के अंदर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत थांदला में अनिवार्य रूप से जमा कराई जावे। समयावधि में राशि जमा नही करने पर संबंधितो के विरूद्ध भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 146 एवं 147 तथा म.प्र. पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 92 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

इसी प्रकार पूर्व सरपंच, ग्राम पंचायत नागनखेडी जनपद पंचायत राणापुर श्रीमती कम्माबाई पति रमेश मछार एवं पूर्व सचिव (वर्तमान पदस्थ धामनीनाना जनपद पंचायत राणापुर) अम्बूसिंह मैडा द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान शासकीय धन की प्रतिपूर्ति करने के लिये प्राकल्न अनुसार वसूली योग्य 2,82,000 रू. की राशि का दुरूपयोजन करने से समान अनुपात में 94 हजार रूपये की राशि वसूली के आदेश दिए गए।

साथ ही कार्य में लापरवाही बरतने के फलस्वरूप पूर्व सचिव ग्राम पंचायत नागनखेडी, जनपद पंचायत राणापुर अम्बूसिंह मैडा की 2 वेतनवृद्धि (संचयी) प्रभाव से रोकी गई। जेवरसिंह मैड़ा ग्रा.रो.सहा. नागनखेडी जनपद राणापुर का 1 माह का वेतन काटने हेतु आदेशित किया गया।

मलेरिया नियंत्रण हेतु कार्यशाला आयोजित

माही की गूंज, झाबुआ। मलेरिया रोग के नियंत्रण एंव जन जागरूकता हेतु ब्लॉक की चिन्हित ग्राम पंचायतों में पंचायत स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा हैं। इसी कड़ी में 14 जून को पेटलावद ब्लॉक की ग्राम पंचायत उन्नई मे कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य मलेरिया रोग के बारे में आम जन में सामुदायिक जागरूकता उत्सर्जन करना, वाहक जनित बीमारियों के प्रसार पर नियंत्रण एंव मच्छर जन्य परिस्थितियों के समाप्तिकरण के उद्देश्य से एवं संक्रमण काल शुरू होने से पहले क्षेत्र में वाहक रोग जैसे डेंगू, चिकुनगुन्या, मलेरिया नियंत्रण की तैयारी को तीव्र करना हैं। ग्राम में आशा कार्यकर्ताओ द्वारा मलेरिया के लक्षण/बचाव सम्बधी दीवारों पर नारे लेखन का कार्य किया गया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत के माध्यम से ग्रामवासियों से अपील की गई है कि, अपने घरों के आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखें, अपने घरों में मच्छर जाली लगावें, आम-जन को पूरी बांह के कपड़े तथा कीटनाशक उपचारित मच्छरदानी रात एवं दिन में सोते समय उपयोग करे। घरों में पानी के कंटेनरों की नियमित साफ-सफाई करे। अपने घरों के आस-पास पानी को जमा न होने दे। घरों की छतों पर बेकार टायर, फूलदान, गमलों पर अनावश्यक पानी को जमा न होने देवें एवं जमा हुए पानी को निकाल दे। स्वयं जागरूक रहे एवं अपना सहयोग मच्छर जन्य परिस्थितियों समाप्त करने में करें। घर के किसी भी सदस्य को बुखार आने पर खून की जांच स्वास्थ्य कार्यकर्ता या नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर करवायें।

चेकिंग के दौरान 5 बसों पर कार्यवाही

माही की गूंज, झाबुआ। परिवहन विभाग द्वारा पिछले 2 दिनों से राणापुर क्षेत्र में यात्री बसों की चेकिंग की गई। 12 जून को चेकिंग के दौरान बस एमपी 09 एफए 3616 पर 10 सवारी को छत पर बैठाने पर 5 हजार का जुर्माना अधिरोपित किया गया। वही तूफान एमपी 09 बीडी 5646 पर तेज गति से वाहन संचालन पर 15 सौ का जुर्माना लगाया गया। 13 जून को सायं 6 बजे राणापुर बस स्टैंड पर चेकिंग की गई, इस दौरान चामुंडा ट्रेवल्स की बस जीजे 20 वी 7904 में अंदर जा कर यात्रियों से चर्चा की गई। यात्रियों द्वारा बताया गया कि, वे परिवार सहित पुनः काम पर लौट रहे है, अधिक किराया नहीं ले रहे है, बस कंडक्टर को समझाइश दी गई कि, किसी भी यात्री को बस में खड़ा करके न ले जाए, यात्रियों से अच्छा व्यवहार करे। बस में 12 सवारी अधिक बैठने पर 24 सौ का जुर्माना अधिरोपित किया गया। इसी ट्रेवल्स की एक बस जीजे 20 वी 5700 का शीशा सही न पाए जाने पर 5 सौ का जुर्माना किया गया। इसी प्रकार बस जीजे 03 बीवी 4300 पर 10 सवारी अतिरिक्त पाए जाने पर 2 हजार एवं बस जीजे 05 ऐ झेट 7100 के ड्राइवर द्वारा दस्तावेज न रखने पर 5सौ का दंड लगाया गया।

विश्व रक्तदान दिवस पर एनसीसी केडेट्स ने किया रक्तदान

माही की गूंज, झाबुआ।

जिला चिकित्सालय झाबुआ में जिला चिकित्सा अधिकारी द्वारा विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा द्वारा की।

शहीद चन्द्रशेखर आजाद, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ की एनसीसी इकाई द्वारा 21, म.प्र. प्रदेश बटालियन एनसीसी रतलाम के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल हर्ष शेट्ठी तथा संस्था प्रमुख एवं प्राचार्य डॉ जेसी सिन्हा, प्रशासनिक अधिकारी डॉ रविन्द्र सिंह के निर्देशानुसार महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी केप्टन डॉ गोपाल भूरिया के मार्गदर्शन में एनसीसी केडेट्स द्वारा 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर 14 केडेट्स ने रक्तदान किया। साथ ही सभी के द्वारा रक्तदान की शपथ भी ली गई। कई बार शरीर में खून की मात्रा इतनी कम हो जाती है कि, उन्हें किसी और व्यक्ति से ब्लड लेने की आवश्यकता पड़ जाती है। ऐसी ही इमरजेंसी स्थिति में खून की आपूर्ति के लिए लोगों को रक्तदान के लिए जागरूक करके, अनगिनत जरूरतमंदों की जिंदगी बचाने के उद्देश्य से रक्तदान किया जाता है।

न्यायालय परिसर की वाटिका में हुआ पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

पेड़ हमारे पर्यावरण के लिए बेहद जरूरी -न्यायाधीश सैय्यदुल अबरार

माही की गूंज, झाबुआ।

हमारी पृथ्वी हमारा घर है और इसकी सुरक्षा और संरक्षण का ध्यान रखना हमारा कर्तव्य है। वृक्षारोपण एक महान प्रयास है जिसमें हम सबका सहयोग आवश्यक है। आइए, हम सब मिलकर अपनी शक्ति, संकल्प और संगठनशक्ति को मिलाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाऐं। उक्त वाक्य जिला न्यायालय परिसर झाबुआ स्थित वाटिका में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजन के समय प्रधान जिला न्यायाधीश मोहम्मद सैय्यदुल अबरार ने कहे।

बुधवार को पंच-ज अंतर्गत जिला न्यायालय परिसर झाबुआ स्थित वाटिका में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमान मोहम्मद सैय्यदुल अबरार जी की अध्यक्षता एवं समस्त न्यायाधीशगणों तथा अधिवक्तागणों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर न्यायाधीश अबरार ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय झाबुआ के तत्वाधान में समय-समय पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस संदर्भ में, मैं आप सभी से एक अपील करना चाहूंगा कि हम इस कार्यक्रम को सिर्फ एक आयोजन नहीं मानें, बल्कि इसे एक संकल्प बनाएं जो हमें हरित क्रांति की ओर अग्रसर करेगा। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि पेड़ हमारे पर्यावरण के लिए बेहद जरूरी हैं। वे हमें ऑक्सीजन, स्वच्छ हवा और पानी प्रदान करते हैं। वे मिट्टी के कटाव और बाढ़ को रोकने में भी मदद करते हैं। इसके अलावा, पेड़ हमें छाया और आराम करने और प्रकृति का आनंद लेने के लिए जगह प्रदान करते हैं। हम सब एक पौधा लगाकर बदलाव ला सकते हैं। हम सब मिलकर अपनी पृथ्वी को रहने के लिए एक हरा-भरा और स्वस्थ स्थान बना सकते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से हम न केवल पर्यावरण के संरक्षण में सक्रिय योगदान कर रहे हैं, बल्कि हम अपनी जिम्मेदारी को भी पहचान रहे हैं। हर एक वृक्ष जो हम आज यहां रोपेंगे, एक बुद्धिमान निवेश होगा जो हमारे भविष्य के लिए वृद्धि, समृद्धि और सुरक्षा का प्रतीक होगा। आज मेरी समस्त लोगों से अपील है कि हम सभी यह सोचें कि वृक्षारोपण एक जरूरत नहीं है, बल्कि यह हमारी जिम्मेदारी है। हमारा पर्यावरण हमारी संपत्ति है और हमें उसकी देखभाल करनी चाहिए।

पौधारोपण कार्यक्रम में समस्त न्यायाधीशगणों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किये। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश विवेक सिंह रघुवंशी, प्रथम जिला न्यायाधीश राजेन्द्र कुमार शर्मा, द्वितीय जिला न्यायाधीश सुभाष सुनहरे, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गौतम सिंह मरकाम, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विजय पाल सिंह चौहान, न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री साक्षी मसीह, श्रीमती पूनम सिंह, बलराम मीणा, अभिभाषक संघ के सचिव शरदचन्द्र शुक्ला, जिला विधिक सहायता अधिकारी सागर अग्रवाल, अधिवक्ता सचिन सिसौदिया, शाहीद खान, विश्वास शाह एवं अन्य अधिवक्ता सहित न्यायालयीन कर्मचारीगण तथा पक्षकारगण उपस्थित रहें।

भौतिक सत्यापन की खुली पोल, बिना पंचनामा बनाये लौटा जांच दल

मौके पर काम की हालत देख भागा इंजीनियर गुप्ता

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

विकास खंण्ड की बड़ी ग्राम पंचायतों में से एक मोहनकोट पंचायत में ग्राम पंचायत द्वारा किये जा रहे कार्यो में भ्रष्टचार की ग्रामीणों द्वारा जिला कलेक्टर को की गई शिकायत के बाद मंगलवार को जनपद पेटलावद भौतिक सत्यापन के लिए जांच दल पहुचा। जांच दल में एपीओ दलसिंह मुनिया, ग्राम पंचायत उपयंत्री पवन गुप्ता ग्राम पंचायत पहुचे, जहा बिना शिकायती कार्यो को देखे बिना ही शिकायतकर्ताओं को ग्राम पंचायत में बुलाकर शिकायत के निराकरण की बात कही। जिस पर शिकायतकर्ताओ ने स्वयं के साथ मौके पर जाकर जांच करने की बात कही तब कही जा कर ग्रामीण ओर जांच दल ग्राम पंचायत द्वारा किये गए जांच की।

घटिया कार्य देख घबराया उपयंत्री गुप्ता, हर कार्य मे मिली लापरवाही

लगभग तीन से चार घन्टे तक जांच दल और ग्रामीण उन सभी कार्यो के मौके पर पहुचे जहा की शिकायत की गई थी। पंचायत के ग्राम जामपाडा में बने हुए तालाब को फोड़ कर उसी तालाब पर दूसरा तालाब बनाने का गंभीर मामला सामने आया। जांच दल के सामने आसपास के ग्रामीण ओर मजदूरों ने तालाब को जेसीबी से तोड़ने की पुष्टि की, उक्त तालाब की बिना किसी आधिकारिक जानकारी के तालाब के ऊपर तालाब बनाने की योजना थी। उक्त तालाब उपयंत्री गुप्ता के कार्यकाल में ही बना हुआ था जब उपयंत्री से तालाब फोड़कर बनाने की जानकारी ली तो गुप्ता इंजीनियर अपने पापों को छुपाने के लिए सरपंच पर बिल फाड़ कर बचने की कोशिश की। ऐसे मोरझरिया के बम्बूल वाली नाकि पर मौके पर कोई कार्य नही हुआ लेकिन मजदूरों के मस्टर जारी हो गए और कुछ भुगतान भी किया जा चुका है। मोरझरिया गाँव मे बना श्मशान का शेंड ऐसी जगह बनाया गया जहा एक जिंदा व्यक्ति को पहुचना भी मुश्किल है, वहा किसी के शव की ले जाना मुमकिन नही। एक के बाद एक कार्यो में भ्रष्टचार ओर लापरवाही का सत्य सामने आने के बाद उपयंत्री गुप्ता के पैरों तले जमीन खिसक गई और सभी कार्यों में भ्रष्टचार सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक के माथे मढ कर निकल गए।

जांच के दौरान समझौता करने के करते रहे इशारे, पंचनामा भी नही बनाया

जांच के दौरान एपीओ दलसिंह मुनिया डायरी में कार्य स्थल की जानकारी नोट करते रहे, कई जगहों पर मुख्य बिंदुओं को टालने की कोशिश भी की गई, लेकिन ग्रामीणों ने डायरी में सब नोट करवाया। जांच के दौरान उपयंत्री गुप्ता मामले को निपटाने के लिए शिकायतकर्ताओ को आपस मे बैठकर समझने और ग्राम पंचायत में नए कामो के ठेके देने के प्रभोलन तक दिए गए लेकिन शिकायतकर्ता ईमानदारी से जांच करने और कार्यवाही करने पर अड़े रहे। जांच दल ने कार्यो का मौका देख भौतिक सत्यापन किया लेकिन मौका पंचनामा किसी कार्य स्थल पर नही बनाया और पूछने पर बताया कि, सब रजिस्टर में लिख कर ले जा रहे हैं जांच के नाम पर पूरा मामला घुमाने ओर दबाने की कोशिश की गई । जांच के दौरान सरपंच कही साथ नही आई ।

सड़क,तालाब, श्मशान की मौके पर जांच करता जांच दल।

सरपंच है भाजपा के रायपुरिया मंडल में उपाध्यक्ष

एक ओर भाजपा भ्रष्टाचार पर पूरे मध्यप्रदेश में बैकफुट पर है। वही दूसरी ओर भाजपा नेताओं द्वारा भ्रष्टाचार पर कोई लगाम नही लगाई जा रही, न ही संगठन स्तर पर कोई कार्यवाही नही की जा रही। खुद भाजपा नेता अपने नेताओं के द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार की शिकायत कर रहे हैं। विगत दिनों मुख्यमंत्री के दौरे पर पूर्व जिलाध्यक्ष खुद जिले में हो रहे भ्रष्टाचार की लिखित शिकायत सीधे मुख्यमंत्री से कर चुके हैं।

मोहनकोट पंचायत की सरपंच ममता खुमानसिंह डामर भाजपा में रायपुरिया मण्डल में उपाध्यक्ष है। इस मामले में भी भाजपा से जुड़े लोग शिकायत में शामिल हैं, संगठन की और से भ्रष्टाचार करने वाले पर कार्यवाही करने की बजाए शिकायतकर्ताओ पर पार्टी की बदनामी की बात कहकर समझौता करने का दबाव डाला जा रहे। जिसे भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा की रीति-नीति और खोखले दावों पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

तपती दोपहरी व भरी गर्मी में बैठ लाडली बहना बेच रही आम

माही की गूंज, थांदला। मुकेश भट्ट

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना के माध्यम से महिलाओं के लिए जितने भी दावें कर ले। बढ़ती बेरोजगारी से निपटने के लिए भरी दोपहरी में लाड़ली बहनों को घर के कामकाज के साथ आजीविका के लिए भी काम करना ही पड़ रहा है। झाबुआ जिलें के हर विधानसभा क्षेत्रों में सब्जी बाजारों में तो मुख्य चौराहों पर अधिकांश महिला फल-सब्जी व अन्य सामग्री बेचते आसानी से दिख जाएगी। ताजा तस्वीर थांदला के हृदय स्थल आजाद चौक की है जहा भौर होते ही आजाद की प्रतिमा के चारों तरफ मामाजी की लाड़ली ग्रामीण बहनों द्वारा भरी दोपहरी में छतरी के सहारे सीजनल आम बेचते हुए नजर आ जायेगी। तेज धूप व बदलते मौसम से इनके स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है, लेकिन इन सबसे दूर बढ़ती महंगाई से निपटने के लिए इन्हें काम करना ही पड़ता है। चुनावी वर्ष में अनेक संगठन अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे है लेकिन लाडली बहनों की फरियाद मामाजी तक कौन कैसे पहुचेगी यह बड़ा सवाल है...? स्थानीय नगरीय प्रशासन को चाहिए कि, सब्जी मंडी के साथ ही इस तरह के चौराहों पर बैठने वाली लाडली बहनों के प्रति संवेदनशील बनते हुए उन्हें सुविधा प्रदान करें।

भाजपा सरकार ने किसानों की 2200 करोड़ से अधिक की ब्याज राशि माफ

माही की गूंज, थांदला।

मंगलवार के दिन किसानों के लिए राहत का दिन साबित हुआ। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित झाबुआ शाखा थांदला से संबंध आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था से ऐसे कृषक जिन पर 31 मार्च 2023 की स्थिति में कुल बकाया ऋण मूल और ब्याज को मिलाकर दो लाख रूपये तक है उनका ब्याज माफ किया गया। स्थानीय जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा थांदला में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भुंडिया वसुनिया, सुरेश बिलवाल की अध्यक्षता में विशेष अतिथि राजू धानक, जितेंद्र राठौर, कन्ना वसुनिया, भीम सिंह वसुनिया, सुनील राठौर की उपस्थित में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित झाबुआ शाखा थांदला के शाखा प्रबंधक पीएस मुणिया ने समस्त अतिथियों के साथ मां सरस्वती की पूजा अर्चना करने के पश्चात समस्त अतिथियों का स्वागत किया गया व किसानों की ब्याज माफी पर सम्पूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम में शाखा प्रबंधक पीएस मुनिया ने बताया कि, मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित झाबुआ के महाप्रबंधक रामसिंह वसुनिया के कुशल मार्गदर्शन में आज प्रदेश के किसानों की ब्याज माफी के अंतर्गत थांदला विकासखंड के 4 हजार 681 कृषक की कुल राशि पांच करोड़ बयासी लाख ब्याज माफ की गई। शाखा प्रबंधक पी एस मुनिया ने बताया कि, 31 मार्च 2023 पर कालातीत जो दो लाख तक मूल एवं ब्याज है उनका ब्याज माफ किया गया जो कि, दो लाख के अंदर है।

अतिथीयो ने मुख्यमंत्री श्री चोहान द्वारा किसानो के हित में कार्य किया जाता है और अभी श्री चोहान ने किसानो के हित को देखते हुए उनका ऋण माफ किया है। साथ ही भाजपा सरकार की योजनाओ को बताया।

नियमित छात्रा को किया प्राइवेट, कॉलेज में प्रवेश के लिए आ रही परेशानी

पिता का आरोप एसटी वर्ग की छात्रा होने के कारण किया गया भेदभाव

माही की गूंज, पेटलावद-बामनिया।

सरकारी स्कूलों में एक नियम है कि, जिन छात्र-छात्रोंओ की उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम है उनको नियमित होने के बाद भी प्राइवेट मान कर परीक्षा में बिठाया जाता है और उनकी अंक सूची भी प्राइवेट छात्र-छात्रा के रूप में आती है। नियमानुसार जो छात्र या छात्रा स्कूल समय पर नही आते या उनकी उपस्थिति कम होती है तो बकायदा सस्था से पत्र व्यवहार कर परिजनों को बताया जाता है। लेकिन इस नियम को अधिकांश संस्थाओं द्वारा स्वयं के स्वार्थ के लिए उपयोग किया जाता है। स्कूल में पड़ रहे कमजोर छात्र-छात्राओं को जानबूझ कर प्राइवेट कर दिया जाता है, ताकी स्कूल का जो परिणाम हो वो कमजोर छात्रों के कारण बिगड़े नही। बच्चों ओर उनके माता-पिता को इसकी जानकारी ज्यादातर परिणाम आने के बाद मिलती हैं पर अज्ञानता के चलते इस विषय के सामने आने के बाद भी आपसी सामंजस्य से खत्म कर दिए जाते हैं।

बामनिया कन्या स्कूल में ऐसा ही एक मामला सामने आया लेकिन इस बार लड़की के पिता ने इस हेरा-फेरी के विरूद्ध आवाज़ उठाते हुए मामले की शिकायत खंण्ड शिक्षा अधिकारी सहित सीएम हेल्पलाइन पर की है। साथ ही स्कूल मैनेजमेंट के द्वारा बालिका को प्राइवेट करने के पीछे आदिवासी वर्ग की छात्रा होने के कारण ऐसा किये जाने का आरोप लगाया है। बामनिया निवासी महेश पिता बालूजी सिंगार नारेला ने अपनी शिकायत में बताया कि, मेरी पुत्री प्रगत्ती सिंगार जोकी शा.क.उ.मा. वि. बामनिया में कक्षा 6 टी से सतत अध्यनरत हैं तथा 6 टी से 12 वी तक का रिजल्ट प्रथम डिविजन हैं और पुत्री पढ़ाई में प्रथम श्रेणी की छात्रा है तथा इसके साथ क्लास टीचर सीमा वर्मा द्वारा एस.टी.वर्ग की होने के कारण जानबुझ कर मेरी पुत्री की हाजरी समय पर नहीं भरी गई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि, और भी कई ऐसी लड़कीयां थी जो समय पर कक्षा में नहीं आती थी किन्तु उनके माता-पिता प्रभावयशाली होने से परिणाम यह हुआ कि उनकी उपस्थिति पूर्ण दर्ज की गई। मुख्य परिक्षा में पुत्री को नियमित से प्राईवेट कर दिया जिससे उसके प्रेक्टीकल में नम्बर 20 प्रतिशत अंक ही प्राप्त हुए, जिससे उसका प्रतिशत कम हो गया है ।

प्रतिशत कम होने के कारण नहीं मिल रहा प्रवेश

शिकायतकर्ता महेश सिंगार द्वारा बताया गया कि, आगामी शिक्षा हेतु बी.एस.सी. नर्सिंग में प्रवेश हेतु आवेदन किया गया, तो प्रतिशत कम होने पर उसे उचित स्थान पर कॉलेज नहीं मिल रहा हैं। लड़की के पिता ने बताया कि, स्कूल प्रशासन की और इस संबंध में आज दिनांक तक भी स्कूल से किसी भी प्रकार का कोई सुचना पत्र नहीं मिला। जिससे पता चल सके की मेरी पुत्री स्कूल नहीं आ रही हैं या पढ़ाई में कमजोर हैं। बिना सुचना के मेरी पुत्री को परिक्षा प्रभारी सीमा वर्मा व प्राचार्य के द्वारा मेरी पुत्री का भविष्य खराब करने हेतु द्वेशता से परिक्षा में प्राईवेट कर दिया गया।

मामले में खंण्ड शिक्षा अधिकारी आरके यादव ने बताया कि, शिकायत प्राप्त हुई है और मेरे द्वारा सम्बंधित संस्था से कई बिंदुओं पर जबाब मांगा गया है संस्था की ओर से जबाब आने पर आगे की जांच की जायेगी। बीइओ यादव ने माना की अगर इस संबंध में संस्था द्वारा लिखित सूचना समय-समय पर नही दी गई है तो ये लापरवाही है, संस्था की ओर से जबाब आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

ब्याज माफी योजना कार्यक्रम में स्वीकृति पत्र वितरण

माही की गूंज, सारंगी/करवड़। मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा डीफाल्डर किसानों को ब्याज माफी योजना का लाभ दे कर फिर से रेगुलर किया गया, ताकि कोई भी किसान जीरो प्रतिशत ब्याज के लाभ से वंचित ना रहे। इस लिए शिवराज सरकार ने ब्याज माफी योजना का फायदा दिया और आदिम जाति सेवा सहकारिता संस्था सारंगी में आयोजित कार्यक्रम में सारंगी भाजपा मंडल अध्यक्ष सुखराम मोरी की उपस्थित में हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरण किए गए। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सुखराम मोरी, सारंगी सरपंच फुन्दि बाई मेंड़ा, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र गेहलोत, वरिष्ठ नेता परमानंद पाटीदार, जनपद सदस्य रजनी पाटीदार, मंडल मिडिया प्रभारी सुरेशचन्द्र परिहार, राजेश पटेल, शाखा प्रबंधक संजय रोहित सिंह, संस्था प्रबंधक मनोहर वर्मा, संस्था साहयक ठाकुर शेरसिंह राठौर, ठाकुर ओंकार सिंह राठौर, सतिश पाटीदार, कवरलाल, एवं भाजपा के कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

करवड़ में भी ब्याज माफी ऋण प्रणाम पत्र वितरित

आदिम जाति सेवा संस्था में किसान कल्याण महाकुंभ मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना का आयोजन किया गया। अतिथियों के द्वारा सर्वप्रथम मां सरस्वती को दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, संस्था कर्मचारियों के द्वारा अतिथियों का स्वागत किया। संस्था में कुल 125 किसानों को ब्याज माफी ऋण का प्रणाम पत्र वितरण किया गया। करवड़ संस्था में कूल तेरह लाख रुपए का ब्याज माफ किया गया, जिसमें किसान नंदू मांगू वसुनिया के 71 हजार 456 रूपये , शंकरलाल देवचंद कलाल 60 हजार 519 रूपये , कांजी शुक्ला भाभर 40 हजार 333 रूपये, शंभू लाल नंदा पाटीदार 45 हजार 824 रूपये का ब्याज माफ किया।

कार्यक्रम के अतिथि ग्राम पंचायत करवड़ के सरपंच विकास गामड़ के साथ संस्था प्रबंधक एवं शाखा पर्यवेक्षक दिनेश खतेड़ीया, सहायक रमेश सोलंकी, ऑपरेटर चेतन पाटीदार, सुखराम चारेल, विकास पाटीदार ,किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष बद्रीलाल पाटीदार ,पूर्व सरपंच घुघरी मनोहर मालीवाड, पूर्व सरपंच गंगा खेड़ी प्रकाश सोलंकी, राजू पाटीदार एवं सैकड़ों किसान कार्यक्रम में उपस्थित रहे। भाजपा मंडल महामंत्री भंवर सिंह गहलोत ने कार्यक्रम का संचालन किया।

आप की महिला प्रदेशाध्यक्ष व इंन्दौर प्रभारी का दौरा, 25 जून को ग्वालियर से चुनावी शंखनाद का दिया आमंत्रण

थांदला में आप ने खोला पार्टी कार्यालय

माही की गूंज, थांदला।

मध्यप्रदेश में आम आदमी पार्टी भाजपा-कांग्रेस के बीच तीसरा विकल्प बनकर दस्तक देने को तैयार है। अपने कुछ वर्षों के राजनीतिक सफर में आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में तीन बार सरकार बनाने के बाद पंजाब में भी स्पष्ट जनादेश प्राप्त किया था। वही गुजरात में आम आदमी पार्टी के मतदान प्रतिशत ने उसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा तक दिला दिया है। ऐसे में आप कार्यकर्ताओं में अपार उत्साह देखा जा रहा है, वही आज आप के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की कुशल जोड़ी व राष्ट्रीय नेतृत्व के अनेक पखर प्रवक्ताओं से पार्टी देश के विभिन्न राज्यों में दिल्ली-पंजाब मॉडल की बात करते हुए स्वास्थ्य शिक्षा व रोजगार की गारंटी देते हुए स्थानीय मुद्दों पर राजनीति करने को आतुर नजर आ रही है। आगामी 25 जून को मध्यप्रदेश के ग्वालियर में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल व पंजाब मुख्यमंत्री भगवंत मान चुनावी शंखनाद करने जा रहे है, जिसके लिए पूरे प्रदेश में आप का माहौल निर्मित करने व कार्यकर्ताओं से मिलने मध्यप्रदेश अध्यक्ष सिंगरौली महापौर रानी अग्रवाल, इन्दौर प्रभारी मजीन्दरसिंह (लालपुरा विधायक पंजाब), कमल गुप्ता, इन्द्र विक्रम सिंह एवं माधवसिंह किराड़े, प्रदेश संयुक्त सचिव, महिला प्रकोष्ठ प्रभारी शैली राणावत, प्रीती व कमल गुप्ता ने ज़िलें का दौरा किया। इस दौरान आप के सभी पदाधिकारी का झाबुआ ज़िलें में पदार्पण हुआ जिनका झाबुआ जिलाध्यक्ष रालुसिंह मेड़ा, गोपाल डामर जिला सचिव, अजय मुणिया, मलसिंह निनामा, बहादुर बबेरिया, देवा भाई, कांतिलाल निनामा, मुख्तियार खान आदि ने गर्मजोशी से स्वागत किया। पार्टी पदाधिकारियों की मौजूदगी में आप के जिला कोषाध्यक्ष व थांदला प्रभारी मुकेश चौहान ने थांदला बायपास पर झाबुआ ज़िलें का प्रथम आप का पार्टी कार्यालय का शुभारंभ करवाया।

कार्यालय का शुभारंभ करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए महिला प्रदेशाध्यक्ष रानी अग्रवाल ने कहा कि, आप ने हमेशा से जनता के मूलभूत आवश्यकताओं के लिए लड़ाई लड़ी है। आज भाजपा व कांग्रेस 70 वर्षों के शासन में अच्छे स्कूल तक नही दे पाए है। वही महंगाई व बेरोजगारी चरम पर है इसलिए जनता को एक बार केजरीवाल की आप को मौका देना चाहिए। इस अवसर पर पंजाब विधायक ने बेबाकी अंदाज में भाजपा पर चुटकी लेते हुए कहा कि, उज्जैन महाकाल में व्याप्त भ्रष्टाचार सबके सामने है, एक बार की जरा सी हवा में ही वहाँ करोड़ो की लागत से बना महाकाल लोक की सप्तऋषि की प्रतिमाएं टूट गई। जो भगवान को नही छोड़ते वे इंसान को क्या छोड़ेंगे इसलिए यदि भ्रष्टाचार को जड़ से हटाना है व जनता की मुलभूत आवश्यकताओं की गारंटी चाहिए तो आप को मौका दे। इस अवसर पर आप पदाधिकारियों ने आगामी 25 जून को आप के राष्ट्रीय संयोजक व अन्य पदाधिकारियों द्वारा ग्वालियर से चुनावी शंखनाद में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुँचने का आमंत्रण दिया।

आचार संहिता के चलते नही मिली सभा की स्वीकृति कार्यकर्ताओं से की औपचारिक मुलाकात

जिला पंचायत सदस्य के रिक्त पदों पर उपचुनाव के चलते थांदला के ग्राम खवासा सेक्टर में जिला पंचायत के महत्वपूर्ण चुनाव होना है। ऐसे में थांदला सहायक निर्वाचन अधिकारी एसडीएम तरुण जैन ने आप को सभा करने की अनुमति नही दी। वही किसी भी प्रकार के पोस्टर बैनर लगाने की भी स्वीकृति नही दी, जिसके चलते आप के प्रदेश पदाधिकारियों की सभा नही हो पाई लेकिन उनका प्रायोजित जिला दौरा पार्टी के कार्यकर्ताओं में जोश भर गया। थांदला पार्टी कार्यालय के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन का संचालन यूथ विंग के जिलाध्यक्ष पंकज डोडियार ने व जिला कोषाध्यक्ष थांदला प्रभारी मुकेश चौहान ने आभार माना।

संपादकीय

दोनों पक्षों में विश्वास बहाली जरूरी

मणिपुर में एक माह पहले दो समुदायों के बीच शुरू हुई हिंसा की घटनाओं का पटाक्षेप न हो पाना बताता है कि, राज्य में विवाद व अविश्वास की जड़ें गहरी हैं। वहीं अलग-अलग नस्ली समूहों के बीच शांति स्थापना के मकसद से बनायी गई शांति समिति की गठन प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल समस्या की जटिलता की ओर इशारा कर रहे हैं। जाहिर है कि, कूकी समुदाय के लोगों का भरोसा जीते बिना शांति के प्रयास सिरे चढ़ाने मुश्किल ही होंगे। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस गैर जरूरी विवाद में अब तक सौ से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और पचास हजार के करीब लोग बेघर हो गए हैं। नीति-नियंताओं को ध्यान रखना चाहिए कि यह सीमावर्ती राज्य कई दृष्टि से बेहद संवेदनशील है। यहां के टकराव की तपिश निकटवर्ती राज्यों में भी फैल सकती है। चिंता की बात यह है कि, कूकी समुदाय के लोग शांति समिति के पैनल में मुख्यमंत्री बीरेन सिंह व उनके समर्थकों की उपस्थिति का विरोध कर रहे हैं। उनका तर्क है कि, कूकी समुदाय के खिलाफ अभियान चलाने वाले संगठन के लोग भी शांति समिति में शामिल किये गये हैं। वहीं कूकी समुदाय के कुछ लोगों का कहना है कि उनकी सहमति के बिना उन्हें शांति समिति में शामिल किया गया है।

बहरहाल, कुल मिलाकर मणिपुर का यह संघर्ष राष्ट्र के संघीय ढांचे की भावना के विपरीत दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जायेगा। केंद्र सरकार की भी कोशिश होनी चाहिए कि, राज्यपाल के नेतृत्व वाली समिति के 51 सदस्यों को लेकर सभी पक्षों की सहमति बने। वहीं कूकी समुदाय के लोगों का कहना है कि केंद्र सरकार हस्तक्षेप करके वार्ता के लिये अनुकूल वातावरण बनाने में मदद करे। कूकी समुदाय के विरोध के मूल में एक आरोप यह भी है कि उनके खिलाफ अभियान चलाने वाले एक नागरिक समूह के सदस्यों को शांति समिति में शामिल किया गया है।

दरअसल, मणिपुर में हुए हालिया संघर्ष के मूल में मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा दिया जाना बताया जाता है। इस निर्णय के विरोध स्वरूप उपजे विवाद के चलते ही राज्य हिंसा की चपेट में आ गया। दरअसल, करीब 53 फीसदी आबादी वाले मैतेई समुदाय के पास राज्य में महज दस फीसदी जमीन है जबकि चालीस फीसदी आबादी वाले कूकी समुदाय के पास 90 फीसदी जमीन है। यह असंतुलन अकसर दोनों समुदायों में टकराव का कारण बनता रहा है। यह पहले से ही कयास लगाए जा रहे थे कि मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा दिये जाने के बाद राज्य में अशांति का माहौल बन सकता है। कालांतर ऐसा हुआ भी। सतही तौर पर राज्य में हिंसक वारदातें थमी नजर आती हैं लेकिन इस विवाद का पटाक्षेप जल्दी हो पायेगा, ऐसे आसार नजर नहीं आते। आबादी और जमीन के असंतुलन का विवाद तुरत-फुरत थमता नजर नहीं आता है क्योंकि मौजूदा परिस्थितियों में इस अनुपात में बड़ा परिवर्तन संभव भी नहीं है। केंद्रीय गृहमंत्री के हस्तक्षेप व सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ाने के बावजूद सतही शांति तो नजर आती है। सवाल है कि यह स्थिति कब तक कायम रह सकती है। वह भी तब जब मैतेई समुदाय आरक्षण को अपने जीवन के लिये जरूरी बता रहा है तो आदिवासी समुदाय इसे क्षेत्र में असंतुलन पैदा करने वाला बता रहा है। कूकी समुदाय इसे अपने अस्तित्व के लिये खतरा बताता है। जाहिर है इस जटिल समस्या का समाधान दोनों पक्षों के बीच विश्वास बढ़ाकर ही किया जा सकता है। यह विश्वास दोनों पक्षों के बीच बातचीत बनाए रखने से ही बढ़ेगा। यह कार्य सुरक्षा बलों की तैनाती से भी संभव नहीं होगा क्योंकि क्षेत्र में चरमपंथियों की सक्रियता का इतिहास भी रहा है। ऐसे में सरकारों का दायित्व बनता है कि पुलिस-प्रशासन बिना किसी पक्षपात के कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करें। वहीं कूकी समुदाय की उस बात पर केंद्र सरकार को ध्यान देना चाहिए जिसमें शांति समिति में केंद्र के अधिकारियों की बड़ी भूमिका रखने की मांग की जा रही है।

शहरी जीवन बचाएंगे गांव के रोजगार

जिस कदर शहरों में आबादी बढ़ती जा रही है और परिणामस्वरूप मौजूदा शहरों की रिहायशी क्षमता फटने के कगार पर है, उसके समाधान हेतु सरकार लगभग आधा दर्जन नए शहर बनाने पर विचार कर रही है। इस प्रक्रिया की शुरुआत तब हुई जब 15वें वित्तीय कमीशन ने 8 नए शहर बनाने के लिए 8 हजार करोड़ रुपये अलग रखे और राज्यों की ओर से 26 प्रस्ताव मिले।

चूंकि प्रस्तावों का आकलन जारी है, सरकार के लिए यह जरूरी हो जाता है कि आगे शहरीकरण कैसा हो इसको लेकर विचार सुसपष्ट हो। इस पर एक बृहद दृष्टिकोण, क्या करना है और क्या नहीं करना है, इस समझ की जरूरत है। मुख्य ध्येय यह होना चाहिए कि जो राह चुनी जाए वह सबसे किफायती हो एवं लगाए धन से अधिकतम फायदा हो। इस प्राप्ति के लिए, नयी खोज से न्यूनतम मूल्य वाले समाधान देने होंगे। उद्देश्य केवल नए शहर बनाना नहीं अपितु बेहतर और बड़ी शहरी क्षमता बनाना होना चाहिए।

रोचक रहेगा, यदि अलग हटकर सोचे गए उपायों के ध्यान का केंद्र एक और भीड़-भाड़ वाला शहर न पैदा करके छोटे एवं अपेक्षाकृत कम भीड़ वाले शहरी क्षेत्र बनाने पर हो। उद्देश्य एवं प्रयास यह हो कि नए वैकल्पिक शहर लोगों को अपनी ओर खींचें और उन्हें इन छोटे शहरों में रहना अधिक फायदेमंद लगे, जहां रोजमर्रा के अन्य खर्च कम हों। इससे बड़े शहरों पर आबादी का मौजूदा दबाव घटेगा। उदाहरणार्थ, बेंगलुरु में भीड़-भाड़ घटाने के लिए मैसूर में क्षमता बढ़ाई जाए।

बड़े शहरों में आबादी घनत्व घटाने का एक अन्य किफायती हल यह हो सकता है कि बजाय यह देखना कि समस्या कहां सबसे विकट है (शहर का केंद्र), शहर की परिधि से लगते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाए। क्रियान्वयन योजना बनाते वक्त ध्येय अतिरिक्त शहरी क्षेत्र क्षमता बनाने का हो। नगर के केंद्र में उपायों पर लागत से कहीं कम में परिधि इलाके की नागरिक सुविधा क्षमता में विकास हो जाएगा। बेंगलुरु के एमजी मार्ग पर भीड़-भड़क्का कम करने के लिए व्हाइट फील्ड इलाके को विकसित किया जाए ताकि लोगों को खरीदारी के लिए एमजी मार्ग आने की जरूरत न रहे।

जिस तरह से वक्त के साथ हमारे शहरों का विस्तार हुआ है, परिधि के नगर निकाय एक तरह से मुख्य शहर का हिस्सा हैं। लेकिन वहां उपलब्ध सुविधाएं घटिया हैं, जिसकी वजह से बाशिंदों को बेहतर काम, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा के लिए मुख्य नगर आना पड़ता है। कहने को यह इलाके शहरी विस्तार का हिस्सा हैं किंतु नागरिक सुविधाएं कमतर हैं, क्योंकि इन नगरीय निकायों को बजटीय राशि कम मिलती है।

इसलिए यह मांग बढ़ रही है कि वहां की प्राथमिक सुविधाएं जैसे कि पेयजल एवं सीवरेज सिस्टम में सुधार हो, कम से कम उस स्तर की, जो मुख्य शहर का नगर निगम मुहैया करवाता है। इन मांगों की पूर्ति के लिए, परिधि नगर निकायों को मुख्य नगर निगम से मिला दिया जाए और नाम में 'बृहत' जैसा शब्द जोड़ सकते हैं।

लेकिन जब नगर निगम इन नए इलाकों में सुविधाओं के लिए योजना बनाने बैठते हैं तो पाते हैं कि एक तो तंग गलियां, तिस पर पेय-जल की पाइपें नदारद और बरसाती पानी निकास-व्यवस्था शोचनीय है, जिससे मानसून में बाढ़ जैसी स्थिति और मच्छरों के प्रकोप से मलेरिया इत्यादि बीमारियां बनती हैं। इसका हल शहरों के साथ मौजूदा ग्रामीण इलाकों में नए उप-नगर बसाने में है, जो आगे चलकर मुख्य नगर का हिस्सा बन जाएंगे। लेकिन यह रूपांतर भूमि उपयोग पर नियोजित कार्य योजना के मुताबिक होना चाहिए। जो कुछ बेंगलुरु में हुआ, उससे बचने की जरूरत है, वहां शहर के दक्षिण-पूरबी सिरे पर एक आईटी कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव आया। लेकिन अमल से पहले प्रशासन ने पाया कि वहां तो पहले से गैर-नियोजित निर्माण हुआ पड़ा है।

भविष्य के परिधि-नगरों की योजना बनाते वक्त सोच बृहद रखनी जरूरी है। उद्देश्य मिश्रित उपयोग जगह बनाने पर हो, जहां पर लोग रहें और रोजगार भी वहीं हो और उन्हें मुख्य शहर न जाना पड़े, जिससे सड़कों पर दबाव बनता है, जैसा कि मुंबई में है, जहां उप-नगरीय नागरिक कामकाज की खातिर घंटों का सफर करके मुख्य शहर आते हैं। मुंबई का बांद्रा-कुर्ला परिसर, कोलकाता का राजहाट और बेंगलुरु का व्हाइट फील्ड इलाका वह क्षेत्र हैं, जहां नए व्यावसायिक परिसर का निर्माण मुख्य शहर में सुधार उपायों पर आने वाली लागत के अंश में हो सकता है।

हमारे शहरों मे आबादी विस्फोटक रूप से बढ़ रही है, क्योंकि ग्रामीण अंचल के लोग बेहतर कमाई के लिए आकर बसते हैं। किंतु उन्हें अवैध मलिन बस्तियों में रहकर रोजगार तलाशना पड़ता है। सबसे बढ़िया और किफायती दीर्घकालीन हल नए शहर बनाना नहीं अपितु ग्रामीण इलाकों में रोजगार सृजन है ताकि लोगों को जरा-सी बेहतर कमाई के लिए शहरों का रुख न करना पड़े। प्रवासियों की यह संख्या कितनी विकराल है, इसका पता कोविड महामारी के दौरान हुए अचानक लॉकडाउन में करोड़ों लोग गांवों की ओर निकलने पर लगा। लोगों के जत्थे के जत्थे सैकड़ों किलोमीटर चलकर अपने-अपने गांव पहुंचे ताकि कम-से-कम भूख से तो नहीं मरेंगे, क्योंकि शहरों में तमाम उद्योग-धंधे बंद हो चुके थे और रहने का ठिकाना नहीं था।

नए शहर बनाने की सोचने की बजाय उनकी मलिन बस्तियों का उद्धार करने का कम खर्चीला तरीका ढूंढ़ना चाहिए, जैसा कि मुम्बई की धारावी झुग्गी बस्ती का धीमा पुनर्वास कार्य दर्शाता है, भूमि-विकास कार्य के लिए भूखंड व्यवसायियों को सौंपना कोई बहुत अच्छा विचार नहीं है। इसकी बजाय, सभी मलिन बस्तियों के लिए, ध्यान का केंद्र पेयजल आपूर्ति और स्वच्छता व्यवस्था बनाने और तंग गलियों में खड़ंजा बिछाकर पक्का करने पर होना चाहिए। एक मर्तबा यह हो जाए, तो वहां के बाशिंदे, जो एक तरह से अपने-अपने भूखंड के मालिक हैं, तो अपने खर्च पर घरों को सुधारकर पक्का कर लेंगे। इसको सही दिशा देने के लिए, प्रशासन को कुछेक सैकड़ा वर्ग-फीट का एक-कक्षीय घर (जिसमें रसोई और शौचालय भी हो) का मॉडल तैयार करके प्रेरित करना होगा। ऐसे घरों में 8 लोगों का परिवार पहले की अपेक्षा ज्यादा बेहतर ढंग से रह पाएगा और उनका रोजगार भी बना रहेगा।

सुधीर रॉय

अतएव, पूर्व अनुभव सुबूत हैं कि नए शहर बसाने का विचार कोई बेहतर हल नहीं है। इसकी बजाय नूतन उपायों से बहुत कम लागत पर विशाल नई शहरी क्षमताएं बनाई जा सकती हैं। अंतिम ध्येय वैसा शहर बनाना हो जिसकी परिकल्पना पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने दी थी, जब दो दशक पहले, उन्होंने ग्रामीण अंचल शहरी सुविधा योजना सुझाई थी, जिसको 'पूरा' नाम दिया था।

सरकारी लापरवाही से नागरिकों को नुकसान, जिम्मेदार कौन...?

सनत जैन

केंद्र सरकार और राज्य सरकारें नीतियां नियम और कानून बनाती हैं। उन्हें नागरिकों के लिए अनिवार्य किया जाता है। नागरिकों को अनिवार्यता होने के कारण मानने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं होता है। सरकार की नीतियोंएवं नये-नये नियम और कानूनों के कारण अब लोगों का आम जीवन बड़ी तेजी के साथ प्रभावित हो रहा है। आर्थिक क्षति और मानसिक कष्ट उठाने पड़ रहे हैं। सरकार की गलत नीतियों और सरकार के अधिकारियों, कर्मचारियों की लापरवाही से लाखों-करोड़ों नागरिकों को उसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। ऐसे समय में सरकार अपना पल्ला झाड़ लेती हैं। सरकारी कर्मचारी एक दूसरे के ऊपर आरोप-प्रत्यारोप करके बचे रहते हैं। आर्थिक नुकसान और मानसिक कष्ट आम नागरिकों को जगह-जगह पर उठाना पड़ रहा हैं। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि सरकार जो नियम और कानून तैयार करती है। उसके लिए सरकार की भी जिम्मेदारी तय होती है। लेकिन सरकार अपनी जिम्मेदारियों से बच निकलती है। नागरिकों के मौलिक अधिकार अब इसलिए भी और खतरे में पड़ते जा रहे हैं, कि न्यायालयों की भूमिका भी सरकार के लिये पक्षपाती पूर्ण हो गई है। भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था है। नियमों का पालन किया जाना सभी के लिए अनिवार्य है। जब नागरिकों के मौलिक अधिकार या और अन्य अधिकारों पर कोई बाधा उत्पन्न होती हैं। सरकार उनकी सुनवाई नहीं करती है। परिणाम स्वरुप वह न्यायालय की शरण में जाते हैं। लेकिन न्यायालयों का नजरिया भी सरकार के प्रति सहानुभूति पूर्वक और विशेषाधिकार वाला होता है। जिसके कारण आम नागरिक को न्यायालयों से भी न्याय नहीं मिल पाता है।

हाल ही में कोरोना की कोविन ऐप के कारण केंद्र सरकार के ऐप से 100 करोड़ लोगों से ज्यादा डाटा लीक हो गया है। सरकार ने कोविन ऐप में नागरिकों से आधार कार्ड, पासपोर्ट, पैन कार्ड, जन्म तारीख इत्यादि की जानकारी अनिवार्य की थी। अब यह डाटा लीक हो गया है। मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर डाटा लीक होने से करोड़ों लोगों में हड़कंप मच गया है। इसी तरह बैंकों से खाता खुलवाने के समय भी सारी जानकारी बार-बार सरकार द्वारा एकत्रित कराई जाती है। आयकर विभाग और अन्य विभाग भी इसी तरीके की जानकारी एकत्रित करते हैं। उसके बाद यह जानकारी उनके पोंटल से लीक हो जाती है। जिसके कारण नागरिक धोखाधड़ी के शिकार हो रहे हैं। सोशल मीडिया के क्षेत्र में लगी कंपनियां लोगों की जानकारी एकत्रित करते हैं। उसका उपयोग वह व्यापारिक कार्यों के साथ-साथ जानकारी बेचकर लाखों करोड़ों रुपए कमाती हैं। सरकार द्वारा इस धोखाधड़ी को रोकने और नागरिकों के हितों और अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए कोई उपाय नहीं किए गए। ऑनलाइन धोखाधड़ी पिछले कई वर्षों में बहुत तेजी के साथ बढ़ती ही जा रही है। इसमें नागरिकों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है। जब भी सरकार के पास ऐसे मामले सामने आते हैं। तो जांच और कानून बनाने की बात कहकर सरकारें अपना पल्ला झाड़ लेती हैं। लेकिन जिन नागरिकों को नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई कैसे और किस तरह होगी, इसको लेकर सरकार चुप्पी साध लेती है। कोविन ऐप का डाटा कैसे टेलीग्राफ के पोर्टल पर पहुंचा. टेलीग्राम के बाट अकाउंट पर किसी भी व्यक्ति के मोबाइल नंबर डालने के बाद उसकी सारी जानकारी सामने आ जाती है।

अपराधी और साइबर क्रिमिनल उसका दुरुपयोग करते हुए आम आदमी के साथ धोखाधड़ी और ठगी का काम कर रहे हैं। इससे लोग परेशान हैं। सरकार की कोई जिम्मेदारी तय नहीं हैं। न्यायालयों से भी आम नागरिकों को कोई न्याय नहीं मिल पा रहा है। जिससे नागरिकों के मौलिक अधिकार और नियमित जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। पिछले 2 दशक में ऑनलाईन कामकाज सरकार ने अनिवार्य कर दिया है। हर विभाग अपने-अपने नियम कानून बनाकर ऑनलाईन जानकारी लेता है। सभी काम ऑनलाईन हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में डाटा लीक होने से लोगों को व्यापारिक निजी एवं आर्थिक रूप से धोखाधड़ी का शिकार होना पड़ रहा है। लोगों की निजता खत्म हो रही है। निजता के मौलिक अधिकार सुरक्षित नहीं रहे। इससे लोगों में रोष बढ़ता चला जा रहा है।

सियासी टकराव के बीच खतरे में लोकतंत्र

केएस तोमर

मौजूदा हालात में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके भाई पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ अब पूर्व पीएम इमरान खान से निपटने का मन बना चुके हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इमरान खान द्वारा की गई भारतीय मीडिया की प्रशंसा के बारे में लोगों को बताया जा रहा है। शरीफ बंधु गत 9 मई की घटनाओं को 9/11 के बराबर सिद्ध करने का प्रयास कर रहे हैं ताकि इमरान खान का राजनीतिक जीवन समाप्त हो जाए और उनकी जान भी खतरे में पड़ जाए। दरअसल, पाकिस्तान के जाने-माने पत्रकार हामिद मीर ने भारत कार्ड की समीक्षा की है। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व में पाकिस्तान निर्माता मुहम्मद अली जिन्ना की बहन फातिमा जिन्ना को अयूब खान ने भारत का एजेंट क़रार दिया था और फिर शेख मुजीब उर रहमान को जनरल याहया खान ने भारतीय एजेंट बताया था। इसी तर्ज़ पर जनरल जिया उल हक और नवाज शरीफ ने बेनजीर भुट्टो को भी भारत का एजेंट बताया था। अब नये घटनाक्रम में किये जा रहे दुष्प्रचार के कारण पाकिस्तान तहरीके इन्साफ पार्टी के कार्यकर्ता हतोत्साहित हो रहे हैं और कई नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। इस बात को सिद्ध करने के लिए पाकिस्तानी हुक्मरानों ने भारतीय सेना के मेजर जनरल (रिटा.) गौरव आर्य के ट्वीट का हवाला दिया जिनमें कहा गया था कि इमरान खान भारत को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं। इसी प्रकार पाकिस्तान के टीवी चैनल पर भारत के एक पत्रकार सुशांत सरीन के गत दिनों के एक वीडियो क्लिप को दिखाया गया जिसमें सरीन का कथानक था कि इमरान खान उनका स्वप्न हैं क्योंकि उन्होंने पाकिस्तान को तबाह कर दिया है। अब पाकिस्तान सरकार पूर्व प्रधानमंत्री को भारत का नया एजेंट बता रही है।

दरअसल सेना की साख दांव पर है जिसे बचाने के लिए वह कोई भी कदम उठाने को तैयार है। पाकिस्तान में संविधान की धारा 245 की आड़ में पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा और राजधानी इस्लामाबाद में उपद्रवियों पर नियंत्रण के लिए सेना को बुलाया गया था। स्मरण रहे कि 1947 के बाद तीन बार 1958 से 1971, 1977 से 1988 और 1999 से 2008 के मध्य सेना ने तख्ता पलट कर सत्ता पर कब्जा किया था। पाकिस्तान में हालात बिगड़ने पर आंतरिक अस्थिरता और विदेश नीति को बहाना बना कर सेना पाकिस्तान पर राज करती रही और स्वयं को लोगों के समक्ष देश बचाने वाला घोषित करती रही है। ऐसे माहौल में लोगों का सरकार पर विश्वास डांवांडोल है और इमरान खान द्वारा सत्ता को दी गई चुनौती से अस्थिरता है जिसका लाभ उठाने को सेना राजनीतिक हस्तक्षेप कर रही है। इमरान खान के सेना से टकराव का मुख्य कारण सेना के वरिष्ठ पदों पर नियुक्तियां और तबादले सेनाध्यक्ष के ही कहने पर ही किए जाना था। पूर्व प्रधानमंत्री के ही कारण मौजूदा सेनाध्यक्ष मुनीर को आईएसआई प्रमुख के पद से हटाया गया था और इस कारण इमरान खान और तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल कमर बाजवा के मध्य दूरियां बन गई थीं। अब सेना से टकराव इमरान खान के राजनीतिक ताबूत की अंतिम कील बन सकती है क्योंकि उनके समर्थकों ने सीधे-सीधे सेना पर हमला बोला था और सेना इसे किसी भी हालत में स्वीकार करने और माफ़ करने को तैयार नहीं है। तभी सेना प्रमुख ने फैसला लिया था कि उपद्रवियों पर सेना के कानूनों के अनुसार मुकदमें चलाये जाएंगे जिसका अर्थ है न तो न्यायालय और न ही उच्चतम न्यायालय इसमें दखल दे सकेगा।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार के उच्चतम न्यायालय व इमरान खान समर्थक राष्ट्रपति आरिफ अल्वी से उपजे विवादों के कारण भी पाकिस्तान के हालात अस्थिरता की ओर अग्रसर रहे हैं और लोकतंत्र खतरे में है। बीते दिनों शरीफ सरकार ने खुले तौर पर मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंडल की निंदा करते हुए संसद में एक प्रस्ताव पारित कर उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की शक्तियां समाप्त कर दी थीं और न्यायालय के आदेशों को मानने से इनकार करते हुए बंडल को इमरान खान समर्थक घोषित कर दिया था। इसी घटनाक्रम में राष्ट्रपति अल्वी ने संसद द्वारा पारित प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया और इमरान खान से सहानुभूति व्यक्त की थी।

बता दें कि पाकिस्तान में भी आर्थिक हालात लगभग श्रीलंका जैसे बन सकते हैं। आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि राजनीतिक अस्थिरता के चलते पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है और निकट भविष्य में सारा ढांचा ध्वस्त हो सकता है। विश्व बैंक भी 1.1 अरब डॉलर का ऋण जारी करने से कतराता रहा और देश पर कई सख्त शर्तें लागू करने का दबाव बना रहा है। पाकिस्तान का फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व घट कर मात्र 4.3 अरब डॉलर रह गया जो 2014 के बाद न्यूनतम है। उधर शरीफ सरकार पंजाब में चुनाव न करवाने के लिए उच्चतम न्यायालय में दाखिल अपने हलफनामे में कह ही चुकी है कि सरकार के पास चुनाव करवाने के लिए पैसा नहीं है।

विशेषज्ञों का मानना है कि बिगड़ते हालात सेना को एक बार फिर मुख्य भूमिका में ला सकते हैं जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंत और सेना के एक बार फिर सत्ता पर काबिज होने का कारण बनेगा। इन हालात के लिए केवल पाकिस्तान के राजनेताओं की स्वार्थी राजनीति और सोच ही जिम्मेवार मानी जा सकती है।

देख शेयर बाजार दिल रोए ज़ार-ज़ार

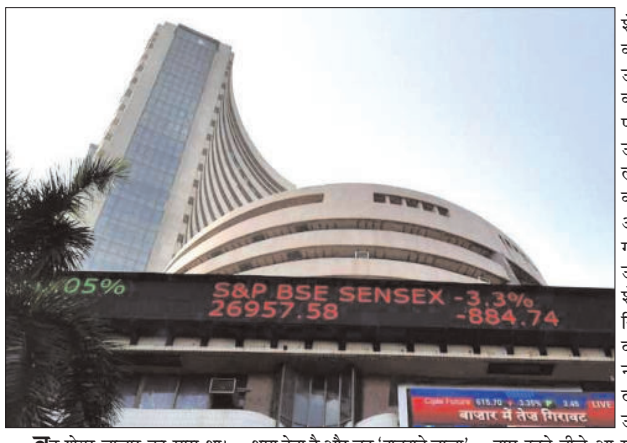

वह शेयर बाजार का मारा था। इसलिए बेचारा था। शेयर बाजार में पिटे हुए आदमी और किसी भी जुआरी की स्थिति लगभग समान होती है। दोनों यही सोचते हैं कि बस अब जीते कि अब जीते। जीतते तो वे क्या हैं, जो जीता होता है उसे भी गंवा डालते हैं। शेयर बाजार में कूदे हुए आदमी की तुलना आप चाहें तो भेड़ से कर सकते हैं। एक भेड़ जिधर रास्ता नापती है, एक के बाद एक सारी भेड़ें उस रास्ते को नापने लगती हैं। जब आदमी इस बाजार में घुसता है तो उस सांड की तरह हावभाव दिखाता है जो स्टॉक एक्सचेंज की बिल्डिंग के बाहर लगा रहता है। लेकिन कुछ दिन बीतते-बीतते वह सांड उसके लिए मिमियाती बकरी में बदल जाता है और वह स्वयं को भी उसी स्थिति में पाता है। शेयर मार्केट में हर कोई 'झुनझुनवाला' बनना चाहता है, पर मार्केट अक्सर उसको झुनझुना थमा देता है और वह 'झुनझुने वाला' नजर आने लगता है।

वैसे भी सेंसेक्स नेताओं के ईमान की तरह गया-गुजरा हो गया है, उसके स्वभाव का पता नहीं चलता कि वह कितना गिरेगा। सेंसेक्स चढ़ता है तो आदमी सोचता है कि हाय उसने शेयरों में पैसा इन्वेस्ट क्यों नहीं किया। थोड़े दिन होते-होते जब इंडेक्स नीचे आ जाता है तो वही आदमी सोचता है, अच्छा हुआ भैये, जो शेयरों में पैसा नहीं लगाया। लेकिन सेंसेक्स का क्या है। वह फिर चढ़ जाता है। अब आदमी परेशान किमुए उस वक्त बाजार में कूद लिए होते तो आज अपने भी वारे-न्यारे हो जाते। सेंसेक्स ऊपर-नीचे होता रहता है और आदमी का दिमाग भी। इसी कशमकश के बीच जो शेयर बाजार में कूदता है उसे इस बाजार के मारे या पिटे हुए आदमी का दर्जा दिया जाता है। वो उन तमाम ऊंची कंपनियों के शेयरों की बात करेंगे कि उसका शेयर कहां से कहां पहुंच गया और उसे लेने वाले लोग करोड़पति-अरबपति बन गए, लेकिन उसके खुद के शेयर की स्थिति क्या है, वह इस पर बात नहीं करेगा। दरअसल उसके शेयर के दाम इतने नीचे आ गए होते हैं कि किसी को बताने का मतलब है, खुद की किरकिरी कराना।

सदियों से कहा जाता रहा है कि लालच बुरी बला है, पर इस बाजार में घुस आए आदमी को लालच ही सबसे ज्यादा मारता है। 'बेचूं कि न बेचूं...' इन चार छुटके शब्दों में शेयर बाजार का सारा खेल हो जाता है। दो-चार प्रतिशत ही इन शब्दों की भूलभुलैया से बच पाते हैं, बाकी की स्थिति धोबी के कुत्ते की तरह हो जाती है। वे जब तक यह समझें कि तेजड़िए और मंदड़िए क्या बला है, खुद को लुटापिटा पाते हैं। बहरहाल, ऐसे मौके पर मुझे स्वर्गीय कवि प्रदीप का एक गीत याद आ रहा है, 'हमने जग की अजब तस्वीर देखी.... इक हंसता है दस रोते हैं...।' शेयर बाजार में यह आंकड़ा बदल जाता है। वहां एक हंसता है, सौ रोते हैं।

लेखक :- मनीष कुमार चौधरी

गर्लफ्रैंड के शौक पूरे करने के चक्कर में अपराध की दुनिया में चला गया युवक

प्रेमिकाओं पर रुपये उड़ाने का शौक पूरा करने के लिए चुराता था मोटर साईकिल, पुलिस ने किया गिरफ्तार

माही की गूंज, रतलाम।

स्टेशन रोड थाने की पुलिस ने एक मोटरसाइकिल चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी गर्लफ्रैंड पर रुपए उड़ाने के लिए मोटरसाइकिल चुराता था और इसी शोक ने युवक को अपराध की दुनिया मे धकेल दिया। पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपी के पास से पुलिस ने पांच मोटरसाइकिल बरमाद हुई हैं। उसने यह भी बताया कि, कौन सी मोटरसाइकिलें चुराना ज्यादा आसान है। पुलिस के अनुसार स्टेशन रोड थाना व आसपास के क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी की वारदात लगातार हो रही थीं। इसके चलते एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक हेमन्त चौहान के नेतृत्व में टीम का गठन किया था। टीम में स्टेशन रोड थाना प्रभारी निरीक्षक किशोर कुमार पाटवाला एवं अधीनस्थ अमले को भी शामिल किया गया। टीम ने शहर में अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू की। इसी दौरान सहायक उप निरीक्षक आईएम खान को मुखबिर से सूचना मिली कि, शुभम नामक एक युवक बाजना के पास एक चोरी कि मोटरसाइकिल बिना नम्बर की है। वह डीमार्ट रोड तरफ से जा रहा है। पुलिस ने बताए गए हुलिए के आधार पर एक युवक को पकड़ा और पूछताछ की। उसने अपना नाम शुभम पिता लालसिंह डामोर निवासी ग्राम उमरिया थाना बाजना बताया। उसके पास एक मोटरसाइकिल जब्त हुई। इंजिन नंबर तथा चेसिस नंबर चैक करने पर मोटरसाइकिल चोरी की होने की पुष्टि हो गई। इस पर थाना स्टेशन रोड पुलिस ने धारा 379 भादंवि में केस दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार किया। मोटरसाइकिल

भी जब्त की।

रेलवे स्टेशन से चुराई थी पांच मोटरसाइकिल

आरोपी ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि, उसने करीब एक महीन के दौरान रतलाम रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर चार से पाँच मोटरसाइकिलें चुराई थीं। इनमें से एक बाजना निवासी जीनू नामक व्यक्ति को बेचना बताया जो अभी फरार है। शेष चार मोटरसाइकिल बेचने के उद्देश्य से बाजना के जंगल में छिपाने की जानकारी दी। पुलिस ने ग्राम हालीवाड़ा के जंगल में बने एक टापरीनुमा स्थान से चार मोटरसाइकिल बरामद की।

चोरी का उद्देश्य और तरीका

आरोपी ने शुभम ने बताया कि, वह प्रेमिकाओं पर रुपए खर्च करने का आदी है। वह अपना शौक पूरा करने के लिए मोटरसाइकिल चुराता है। इसके लिए वह सुनसान इलाके में खड़ी एचएफ डीलक्स एवं हॉन्डा शाइन मोटरसाइकिल को ही निशाना बनाता था। वह अपने साथ चाबियों का गुच्छा रखता है और अलग-अलग चाबियां लगा कर लॉक खोलने का प्रयास करता है। लॉक खुलने के बाद लोगों की नजर बचाकर चुरा लेता था।

जब्त वाहन

पुलिस ने आरोपी के पास से और निशानदेही से एक लाल डीलक्स मोटरसाइकिल नं. एमपी 43डीआर 2503, सुपर स्पलेंडर मोटरसाइकिल एमपी 43इएफ 0817, एक काली डिलक्स मोटरसाइकिल नं. एमपी 13इपी 2386, एक काली एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 43डीयू 2790 तथा काली एच एफ डीलक्स क्रमांक एमपी 43 डीएम 7817 बरामद की है। पुलिस ने बताया कि, आरोपी शुभम के कहे अनुसार डीलक्स एवं शाइन मोटरसाइकिलों के ताले खोलना आसान है।

साथ मे बैठ कर पी शराब और फिर विवाद के चलते नाबालिकों ने दे दिया हत्या जैसे संगीन जुर्म को अंजाम

पुलिस ने मामले का खुलासा कर आरोपियों को किया गिरफ्तार

माही की गूंज, रतलाम।

रावटी पुलिस ने कब्रस्तान के पीछे मिली युवक की लाश की गुत्थी को सुलझा लिया है। मृतक युवक की हत्या दो नाबालिगों ने की थी। पुलिस ने दोनों आरोपी नाबालिगों को गिरफ्तार कर उनसे मृतक का मोबाइल और मोटर साइकिल जब्त की है। रावटी में कब्रिस्तान के पीछे युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई थी। रावटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची तो मामला हत्या का निकला। मृतक की पहचान सुरेश उर्फ गोलू गहलोत निवासी भग्गा सहलोत गांव के रुप में हुई। घटनास्थल पर मिली बीयर की बोतलों से आशंका जताई जा रही है कि मृतक और उसके साथियों ने पहले कुए के पास बैठकर पार्टी की और इस दौरान हुए विवाद में युवक की हत्या कर दी गई। मौके पर पहुंची रावटी थाना पुलिस और एफएसएल की टीम ने मौके पर जांच कर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए और पुलिस ने 24 घण्टे के भीतर ही आरोपियों को राउंडअप कर लिया।

पुलिस कप्तान सिद्धार्थ बहुगुणा ने मीडिया में हत्या कांड का खुलासा कर दिया। पुलिस कप्तान ने बताया, मृतक सुरेश दो नाबालिग दोस्तो के साथ शादी में गया था, वहां मोबाइल फोन पर अपनी महिला मित्र से बात कर रहा था। इसी बीच दोनो नाबालिगों से छोटी सी बात पर विवाद हो गया, बात हाथापाई तक पहुंच गई, इसी बीच नाबालिगों ने सुरेश का पत्थर से मुंह कुचल दिया। ओर मृतक का मोबाइल लेकर मोटर साइकिल से भाग गये थे। दोनो नाबालिगों ने पूछताछ में अपना कबूल किया है। आरोपियों से मृतक की बाइक और मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

पति पर हमला कर प्रेमिका को धक्का दिया, ट्रक से टकराने पर प्रेमिका की मौत

माही की गूंज, रतलाम।

महू-नीमच हाईवे (फोरलेन) पर चिकलिया टोल नाके के पास एक युवक (प्रेमी) ने विवाद के दौरान पहले अपनी प्रेमिका के पति पर लाठी से जानलेवा हमला कर दिया। इसके बाद गुस्से में आकर उसने प्रेमिका को सड़क पर धक्का दे दिया। इससे वह ट्रक से जा टकराई तथा उसकी मौत हो गई। बिलपांक पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफ जानलेवा हमला व हत्या करने का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है, पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार फरियादी 32 वर्षीय संजय गामड़ पुत्र राधेश्याम गामड़ निवासी नया टापरा धराड़ ने रिपोर्ट की है कि उसकी पत्नी 29 वर्षीय सुनीता के आरोपित निवोद आटेड़िया निवासी ग्राम भाटी बड़ोदिया से प्रेम संबंध थे। पांच माह पहले उसे पता चला था उसकी पत्नी के विनोद से प्रेम संबंध है तथा वह विनोद से बातचीत करती है। इसके बाद उसने पत्नी सुनीता व विनोद को बहुत समझाया लेकिन वे समझने को तैयार नहीं हो रहे थे। बदनामी के डर से वह सोमवार रात पत्नी सुनीता को बाइक पर बैठाकर उसके नाना दयाराम निवासी ग्राम रत्तागिरी के घर छोड़ने जा रहा था। तब सुनीता ने उससे कहा कि आखरी बार विनोद से उसकी बात करा दो। उसने बाइक सड़क किनारे खड़ी की तथा विनोद फोन लगाकर कहा कि सुनीता को रत्तागिरी छोड़ने जा रहा है, आखरी बार इससे बात कर लो। इस पर विनोद गुस्सा हो गया तथा धमकाने लगा कि तेरी हिम्मत कैसे हुई सुनीता को रत्तागिरी छोड़ने की, वहीं रूक अभी आता हू।

बाइक से पहुंचा तथा धमकाते हुए हमला कर दिया

संजय ने बताया कि, कुछ देर बाद विनोद बाइक लेकर उनके पास आया तथा आते ही उससे कहने लगा कि आज तेरी कहानी ही खत्म कर देता हूं। इसके बाद विनोद ने अपनी बाइक से लाठी निकाली तथा मेरे सिर पर जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। इससे सिर में चोट आई व खून निकलने लगा। इसी बीच विनोद सुनीता से बोला कि तेरे कारण विवाद हो रहा है, तुझे भी निपटा देता हूं। इसके बाद उसने सुनीता का गला पकड़कर सड़क की तरफ धक्का दे दिया। सुनीता वहां से जा रहे एक ट्रक से टकराकर गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गई। इसके बाद विनोद वहां से भाग गया। कुछ लोगों की मदद से घायल सुनीता व संजय को अस्पताल भिजवाया गया, जहां सुनीता को मृत घोषित किया गया। विनोद भी अस्पताल पहुंचा था, फिर वहां से कहीं चला गया। धराड़ चौकी प्रभारी जगदीश तोमर के अनुसार संजय की रिपोर्ट पर आरोपित विनोद के खिलाफ भादंवि की धारा 307 व 302 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। उसकी तलाश की जा रही है। मंगलवार को मेडिकल कालेज में सुनीता का पोस्टमार्टम कराकर शव स्वजन को सौंप दिया गया है। विनोद सालाखेड़ी में स्थित एक वेयर हाउस पर काम करता है।

बस और कार के बीच हुई टक्कर, हादसे में 4 लोगों की मौत, 3 घायल

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसा इतना भयानक था कि मौके पर ही 4 लोगों की मौत हो गई साथ ही तीन लोगों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा मंगलवार की देर रात को हुआ। जब महामाया ट्रेवल्स के यात्री बस इन्दौर से सारंगपुर जा रहे थे। रात करीब 11 बजे जैसी ही बस शाजापुर से सारंगपुर के लिए निकली तभी कृषि उपज मंडी के पास बस ने कार को जबरदस्त टक्कर मार दी। दोनों की टक्कर इतनी खतरनाक हुई कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार में मौजूद लोगों को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया।

मौके पर 4 लोगों ने तोड़ा दम

हादसा इतना भीषण था कि, मौके पर ही चार लोगों ने दम तोड़ दिया और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार शाजापुर से शुजालपुर की ओर जा रहे थे तभी उन्होंने यह हादसा देखा तो वह तुरंत वहीं रुक गए और पुलिस को इस घटना की सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने कार में से सभी लोगों को काफी मशक्कत करने के बाद बाहर निकाला जिसमें से चार लोगों की मौके पर ही मौत गई। पुलिस ने उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायल व्यक्तियों को आस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान डॉक्टर ने बताया कि, तीनों की हालत काफी गंभीर है। कार में सात लोग मौजूद थे।

कूप में मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

माही की गूंज, शाजापुर।

कोतवाली थाना क्षेत्र में दुपाड़ा रोड पर एक दूध डेयरी फार्म हाउस के सामने कूप में एक युवक की लाश मिली है। सूचना लगते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। आसपास के कई लोग भी यहां मौजूद रहे। पुलिस ने लोगो के साथ मिलकर शव को बाहर निकाला।

कोतवाली थाना टीआई संतोष वाघेला का कहना है कि, शव कुएं से बाहर निकाले जाने के बाद परीक्षण के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। इधर कूप में युवक का शव मिलने की जानकारी लगने पर आसपास के कई लोग मौके पर पहुंच गए और वहां भीड़ लग गई।

शाजापुर का बताया जा रहा युवक

युवक की मौत को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं। हालांकि युवक की मौत के कारण पुलिस जांच और

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सामने आ सकेंगे। युवक शाजापुर का ही निवासी बताया जा रहा है और घटनास्थल के आसपास ही उनकी पुश्तैनी जमीन भी है। जिस कूप में युवक की लाश मिली वह दुपाड़ा रोड मुख्य मार्ग से काफी दूर है। स्थिति यह रही कि मौके पर पहुंचने के लिए पुलिस व अन्य लोगों को खासी मशक्कत करना पड़ी। जिस कूप में लाश मिली है, वहां तक दो पहिया वाहन भी जाना मुश्किल हो रहा था।

निभाई जाएगी 5 हजार वर्ष पुरानी परंपरा, देश भर के बच्चों का होगा विद्या आरंभ संस्कार

माही की गूंज, उज्जैन। उज्जैन श्री कृष्ण की शिक्षा स्थली है और यहां स्थित सांदीपनि आश्रम में उन्होंने महर्षि सांदीपनि से शिक्षा प्राप्त की थी। हर वर्ष गुरु पूर्णिमा महोत्सव यहां धूमधाम से मनाया जाता है और इस बार भी 3 जुलाई को गंगा, गोमती और प्रयागराज के जल से भगवान श्री कृष्ण और सांदीपनि मुनि का अभिषेक किया जाएगा। अभिषेक के पश्चात मोगरे और फूलों की नदियों से श्रृंगार किया जाएगा और विश्व शांति के लिए हवन का आयोजन भी होगा। इसके बाद देशभर से आने वाले बच्चों का विद्या आरंभ संस्कार भी करवाया जाएगा। सांदीपनी आश्रम में बीते 5 हजार वर्षों से गुरु शिष्य परंपरा का पालन किया जा रहा है। यहां पर भगवान श्री कृष्ण अपने बड़े भाई बलराम के साथ शिक्षा ग्रहण करने के लिए आए थे। गुरु सांदीपनि ने पाटी पूजन करा कर उनका विद्या आरंभ संस्कार किया था। स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने सबसे पहले श्री गणेशाय नमः, श्री सरस्वतयैय नमः और गुरुवे नमः लिखकर विद्या की शुरुआत की थी। इस बार भी 3 जुलाई को सुबह 6 बजे से गुरु पूर्णिमा महोत्सव शुरू हो जाएगा। भगवान श्री कृष्ण और गुरु सांदीपनि का अभिषेक करने के पश्चात षोडशोपचार पूजन होगा और विश्व भर की शांति के लिए हवन किया जाएगा और विद्यारंभ संस्कार किया जाएगा।

किसानों की जमीन पर चलाया बुलडोजर तो अधिकारियों के हो गए थोकबंद तबादले

माही की गूंज, नीमच।

जिले के मनासा विधानसभा के भदाना क्षेत्र में किसानों की जमीन पर बुलडोजर चलाने के मामले में वन विभाग की टीम के साथ विधायक माधव मारू का आमना-सामना दिखाई दे रहा है। सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल हुआ, जहां विधायक मारू ने कहा कि, मेरे क्षेत्र में किसानों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस घटना के दूसरे दिन राज्य शासन द्वारा वन विभाग के अधिकारियों की स्थानांतरण सूची जारी की गई। जिसमें नीमच जिले के वन मंडल अधिकारी का प्रभाव शाजापुर के डीएफओ मयंक चांदीवाल से तुरंत प्रभाव से हटाते हुए रायसेन के वन मंडल अधिकारी शिवकरण अटोदे को नीमच वन मंडल अधिकारी बनाया गया।

राज्य शासन द्वारा भारतीय वन सेना के अधिकारियों को प्रशासनिक आधार पर स्थानांतरित करते हुए नवीन पदस्थापना पर अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक तत्काल प्रभाव से पदस्थ किया गया। जिसमें नीमच वन मंडल अधिकारी का प्रभार शिवकरण अटोदे को दिया।

अंदर खानों की चर्चा है कि, मनासा विधानसभा क्षेत्र में किसानों पर कार्रवाई करने पहुंचे वन विभाग के अमले के साथ विधायक माधव मारू का जो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। उसके बाद में सीएम शिवराज सिंह ने विधायक से चर्चा कर पूरी स्थिति को जाना। जिसके बाद में तत्काल प्रभाव से शाजापुर के लिए डीएफओ मंयक चांदीवाल को जो नीमच का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था उसे हटाते हुए नए डीएफओ शिवकरण अटोदे को बनाया गया।

हादसे में चार वर्षीय बालिका की मौत के बाद जागा प्रशासन

कुएं मालिक और पति के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले के रेवास देवड़ा-करोली रोड के पास 12 जून को बाइक असंतुलित होकर सड़क किनारे बने कुएं की मुंडेर टकरा गई थी। बाइक पर सवार धरियाखेड़ी निवासी दंपति और चार वर्ष की बेटी उछलकर कुएं जा गिरे थे। हादसे में पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि बेटी और पिता घायल हो गए थे। सड़क किनारे बने की कुएं के ऊपर जाली नहीं लगी थी। वहीं कुएं की मुंडेर भी छोटी थी।

मुंडेर बड़ी होती और जाली लगी होती तो हादसे में महिला की जान नहीं जाती। हादसे से सबक लेते हुए जिला प्रशासन के निर्देश पर कुएं मालिक और पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

जानकरी के अनुसार रेवास देवडा-करोली रोड पर स्थित शासकीय भूमि सर्वे नं. 869 मे पक्का कुआं बना हुआ है। कुएं का उपयोग रेवास देवड़ा निवासी राधेश्याम कुमावत सिंचाई के लिए करता है। कुएं पर लगभग ढाई फीट ऊंचाई पक्की मुंडेर बनी थी लेकिन जाली नहीं लगी थी। 12 जून को भुपेन्द्र पिता महेश चन्द्र तिवारी, बेबी उर्फ शिवकन्या पति भुपेन्द्र व चंचल पिता भुपेन्द्र बाइक पर सवार होकर कल्याणपुरा (राजस्थान) से रेवास देवड़ा होते हुए धारियाखेड़ी जा रहे थे।

इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर कुएं की मुंडेर से जा टकराई हादसे में पति पत्नी और चार वर्ष की बेटी कुए में गिर गए। इसमें पत्नी शिवकन्या की मौत हो गई थी। मामले के वायडी नगर पुलिस ने कुएं के मालिक सहित पति भूपेंद्र के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

किसान आंदोलन में दर्ज हुए करीब डेढ़ लाख मामले अब भी सरकार ने नही लिए वापस - कक्का जी

माही की गूंज, मंदसौर।

केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संयुक्त किसान मोर्चा की समन्वय समिति के सदस्य शिव कुमार शर्मा ने बड़ा दावा किया है।उन्होंने कहा कि, इस आंदोलन के दौरान देशभर में एक लाख 48 हजार प्रदर्शनकारी किसानों के खिलाफ दर्ज मामलों को सरकार के वादे के उलट अब तक वापस नहीं लिया गया है। गौरतलब है कि, दिल्ली की सरहदों पर साल भर चले किसान आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 19 नवंबर 2021 को तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा की थी।

'कक्काजी' के नाम से मशहूर शर्मा संयुक्त किसान मोर्चा में शामिल राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के अध्यक्ष हैं। उन्होंने इंदौर प्रेस क्लब में संवाददाताओं से कहा कि, नये कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन के दौरान अलग-अलग राज्यों में कुल 1.48 लाख किसानों पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उन्होंने कहा, सरकार ने आंदोलन खत्म होने के बाद हमसे वादा किया था कि 30 दिन के भीतर ये सभी मामले वापस ले लिए जाएंगे, लेकिन ये मुकदमे अब तक चल रहे हैं। मैं खुद और बहुत बड़ी तादाद में किसान इन मुकदमों की अदालती पेशियों पर जाने को मजबूर हैं।

शर्मा ने खरीफ फसलों के लिए सरकार की ओर से हाल ही में घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को ''छलावा'' करार दिया और कहा कि, किसानों को एमएसपी के आंकड़ों के जाल में उलझाया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि, स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के आधार पर 23 जिंसों पर एमएसपी बढ़ाई जाए और एमएसपी पर इनकी सरकारी खरीद का कानून बनाया जाए।

शर्मा ने मंदसौर गोली कांड की जांच के लिए गठित जैन आयोग की रिपोर्ट को अब तक सार्वजनिक नहीं किए जाने को लेकर मध्यप्रदेश सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा,यह रिपोर्ट अब तक सामने नहीं आई है। सरकार जांच के लिए आयोग तो बना देती है। लेकिन लगता है कि, आयोग बनाने का मतलब मामले को रफा-दफा करना होता है। गौरतलब है कि, मंदसौर में छह जून 2017 को किसान आंदोलन के दौरान पुलिस गोलीबारी के बाद छह कृषकों की मौत हो गई थी।

रिलीफ़ मेडिकल एंड जनरल स्टोर का कैबिनेट मंत्री ने फीता काटकर किया उद्घाटन

माही की गूंज, च.रो. आज़ाद नगर।

नगर में रिलीफ़ मेडिकल एंड जनरल स्टोर का कैबिनेट मंत्री माधौसिंह डावर, जनपद अध्यक्ष इंदरसिंह डावर, नगर परिषद अध्यक्ष निर्मला डावर ने नया बाजार में फीता काटकर उद्घाटन किया।

कैबिनेट मंत्री डावर ने कहा कि, नगर में पहले मेडिसिन के लिए दाहोद गुजरात जाना पड़ता था अब आज़ाद नगर के नगरवासियों के लिए बड़ी खुशी की बात है की रिलीफ़ मेडिकल का आज उद्घाटन हुआ है।

मेडिकल के ऑनर मोइन अली ने बताया है कि, मेडिसिन के लिए दाहोद या बड़ौदा जाने की जरूरत नही है उन्हें रिलीफ़ मेडिकल पर ही दवाइया उपलब्ध कराई जाएगी। नगर अब बड़ी उपलब्धि की ओर बढ़ रहा है।

उद्घाटन में विधायक प्रतिनिधि भूपेंद्र डावर, हाजी शब्बीर मोहम्मद पटवारी, ठाकुर रुस्तमसिंह, डॉक्टर रियाज शेख, अफसार शेख, सरपंच हिमसिंग बारिया, मदन डावर आदि नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाई गई स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परथी दादा की जयंती

माही की गूंज, बरझर।

जयस ने आदिवासी क्रांतिकारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परथी दादा जी की जन्म जयंती को युवा प्रेरणा दिवस के तौर पर मनाया। जिसमे सबसे पहले भाबरा त्रिमूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। यहां माल्यार्पण करने के साथ ही वहा से लगभग 100 मोटर साइकिल बाइक रैली के साथ रिंगोल मालमसूरी पहुंचकर परथी दादा को माल्यार्पण किया गया। जिसमे उपस्थित जयस के मनोज डामोर, सरदार परमार, बसंत अजनार, सज्जन जमरा, शेलेंद्र रावत आंबुआ, दिनेश निनामा, जवसिंह चौहान, दिलीप भूरा, कनु चौहान, जितेंद्र गनावा, भारत हिहोर, अजय बामनिया, गणपत के साथ कई कार्यकर्ता शामिल हुए।

सैंतालीस करोड़ रुपए से अधिक राशि की ब्याज माफी

माही की गूंज, धार।

किसानों का कल्याण उनके आर्थिक और सामाजिक हित की सुनिश्चिति को दर्शाता है। सरकार किसानों के लिए नीतियों, योजनाओं और उपायों के माध्यम से उनकी मदद करती है ताकि उनका जीवन सुखमय और उन्नतिशील हो सके। किसानों का कल्याण समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए किसानों का कल्याण सुनिश्चित करना विकास और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव आज पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित किसान कल्याण महा कुंभ में मुख्य अतिथि बतौर शामिल हुए।

उल्लेखनीय है कि, प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राजगढ़ जिले से प्रदेश स्तीय किसान महाकुम्भ में मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना अंतर्गत 11 लाख से अधिक पात्र कृषकों को 2123 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की। धार जिले में मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना अंतर्गत 30 हजार 394 पात्र कृषकों की 47.62 करोड़ रुपए की ब्याज माफी की गई है।

अपने उद्बोधन में मंत्री दत्तीगांव ने कहा कि, किसानों के खाते में न केवल फसल बीमा वरन् ब्याज माफ़ी की राशि भी डाली गई है। किसानों को अनुकूल वातावरण और उनकी मेहनत से लगातार प्रदेश को कृषि कर्मण पुरस्कार मिला है। जिले का सिंचित क्षेत्र बढ़ा है। सामाजिक सुरक्षा महिला सशक्तिकरण के साथ तमाम क्षेत्र में सरकार ने योजनाएं बनाई है। संवेदनशीलता के साथ इसे लागू भी किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष में इन मोटे अनाज की क़ीमत आज से दस वर्षों की तुलना में लगभग चार गुना की वृद्धि हुई है। किसानों को उनकी फसल का वाजिफ़ मूल्य मिले इसके लिए सरकार ने फसलों का समर्थन मूल्य घोषित किया है। कपास उत्पादक किसानों के लिए पीएम मित्र पार्क मील का पत्थर साबित होगा। किसानों को पता रहेगा की कितना उत्पादन करें कितनी क़ीमत मिलेगी। उन्होंने आग्रह किया कि, किसान खाद्य प्रसंस्करण के मामले में भी आगे बढ़ें। कौशल विकास के प्रशिक्षण का लाभ उठाएँ। एफ़पीओ के ज़रिए भी अधिक लाभ हासिल किया जा सकता है। उन्नत कृषक इनमें लीड ले दूसरो के लिए प्रेरक बने। कार्यक्रम को सांसद छातारसिंह दरबार, विधायक नीना वर्मा, ज़िला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, पूर्व मंत्री रंजना बघेल एवं मनोज सोमानी ने भी संबोधित किया। अतिथियों द्वारा किसानों को प्रमाण पत्र सौपे गये। राजगढ़ जिले से प्रदेश स्तरीय किसान महाकुम्भ में मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना के प्रमुख कार्यक्रम को यहाँ भी लाइव देखा।

पात्र कृषकों को वितरित किए ब्याज माफी के प्रमाण पत्र

माही की गूंज, च.रो. आज़ाद नगर।

मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना 2023 के अंतर्गत आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. चन्द्रशेखर आज़ाद नगर (भाबरा) एवं झिरण के संयुक्त तत्वावधान में ब्याज माफी शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान चंद्रशेखर आजाद नगर के 515 पात्र कृषक एवं झिरण के 514 पात्र कृषकों के आवेदन प्राप्त होने से भाबरा के 18 एवं झीरण के सदस्यों को ब्याज माफी के प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री माधौसिंह डावर एवं जनपद अध्यक्ष इंदरसिंह डावर, तहसीलदार जितेंद्र तोमर, शाखा प्रबंधक जेएस सोलंकी, संस्था प्रबंधक जगदीश पंचाल, शाखा प्रबंधक शैलेंद्र सिंह राठौर, अमित सिंह सहकारिता विभाग ने सैकड़ो कृषकों की मौजूदगी में ब्याज माफी के प्रमाण पत्र किसानों को बांटे। इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया।

सुर्दशन ने प्राप्त की पीएचडी की उपाधि

माही की गूंज, खरगोन।

खरगोन कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य एसके गोखले पुत्र सुर्दशन गोखले को इन्दोर एकेडमी कसरावद डारेक्ट एवं होल्कर महाविद्यालय के शोधार्थी ने प्राणी शास्त्र के प्रोसेसर डीके श्रीवास्तव के मार्गदर्शन मे खडवा सतपुड़ा वन अभ्यारण मे पशु पक्षियों की विविधता पर शोध पुर्ण कर अहील्या देवी विश्वविद्यालय इन्दोर से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। जिस पर सभी इष्ट जनो व मित्रों ने आभार व बधाई दी।

जिला गौपालन एवं पशुधन संवर्धन समिति की बैठक 15 जून को

माही की गूंज, बड़वानी। गोपालन एवं पशुधन संवर्धन समिति की बैठक कलेक्टर की अध्यक्षता में 15 जून को प्रातः 11 बजे से श्री कामधेनू कुंज गौशाला कलालदा में आयोजित की जायेगी। इस बैठक में 17 पंजीकृत शासकीय, अशासकीय गौशाला के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कृषि स्थायी समिति के अध्यक्ष, सदस्य सम्मिलित होंगे। गौपालन एवं पशुधन संवर्धन समिति की बैठक में गौशाला में गौवंश हेतु चारे, पानी की व्यवस्था, समस्त गौशालाओं के आडिट रिपोर्ट, उपयोगिता प्रमाण पत्र, गौवंश हेतु गर्मी से बचाव व वर्षा ऋतु से सुरक्षा, गौवंश हेतु टीककरण, टैगिंग, गौशाला में मृत गौवंश के निष्पादन, कस्टम हायरिंग केन्द्र स्थापित करने, गौशाला में सूचना फलक लगवाने, गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर चर्चा की जाएगी।

राजस्व और खनिज विभाग की टीम ने मिट्टी खनन माफियाओं पर की कार्रवाई

माही की गूंज, बड़वानी।

जिला खनिज अधिकारी घनश्याम धनगर के नेतृत्व में राजस्व और खनिज विभाग के सयुक्त अमले ने भीलखेड़ा राजघाट, क्षेत्र पर अवैध रेत व मिट्टी उत्खनन व परिवहन को लेकर कार्रवाई की। प्रभारी जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि, जिले में अवैध उत्खनन कर रेत व मिट्टी के परिवहन पर रोकथाम करने के लिए देर रात राजस्व और खनिज विभाग की सयुक्त टीम ने भीलखेड़ा व राजघाट क्षेत्र के नर्मदा किनारे अलग-अलग टीम बनाकर दबिश दी। जहां ट्रैक्टर-ट्रॉली, व जेसीबी मशीन सहित 15 वाहन जब्त कर खनिज विभाग परिसर पर खड़े करवाए। जो बिना रायल्टी के रेत व मिट्टी परिवहन कर ले जा रहे थे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली और जेसीबी मशीन को किया जब्त

प्रभारी खनिज अधिकारी ने बताया कि, अवैध उत्खनन कारोबारियों से राजस्व व खनिज विभाग की सयुक्त टीम ने एक 8 ट्रेक्टर ट्रॉली मिट्टी और रेत से भरे हुए जब्त किए है। साथ ही मौके से 7 जेसीबी मशीन वाहनों को भी जब्त कर खनिज विभाग के परिसर में खडा करवाया है। जहां खनन और परिवहन का प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएंगी।

विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर रासेयो स्वयं सेवकों ने किया रक्तदान

माही की गूंज, खरगोन।

शासकीय महाविद्यालय खरगोन की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं लोकमाता देवी अहिल्या बाई सेवा मंच खरगोन द्वारा सयुंक्त रूप से विश्व रक्तदान दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने 37 यूनिट रक्तदान जिला अस्पताल को दान किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरएस देवड़ा ने कहा कि, मनुष्य होने के नाते किसी व्यक्ति के साथ होने वाली दुर्घटना या बीमारी के कारण उसके जीवन-रक्षण के लिए हमें रक्त-दान करना चाहिए। क्योंकि आवश्यकता पड़ने पर रक्त ब्लड-बैंकों से लिया जाता है और ब्लड बैंकों में खून की कमी न हो इसलिए भी हमें रक्तदान करना चाहिए। मैं युवा वर्ग के छात्र-छात्राओं से निवेदन करता हूँ कि, वे अधिक से अधिक संख्या में समय-समय पर आयोजित रक्तदान शिविरों में रक्तदान अनिवार्य रूप करे और दूसरों को भी रक्तदान करने के लिए प्रेरित करें।

राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक अधिकारी डॉ. सुरेश अवासे ने कहा कि, जिन छात्र-छात्राओं का वजन 45 किलोग्राम से अधिक है वह रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदान करने से किसी भी प्रकार का कोई नुकसान नहीं होता और न ही शरीर में किसी प्रकार की कोई कमजोरी होती है। 18 से 45 वर्ष तक के युवा रक्तदान कर सकते हैं। हम अपने जन्मदिन दिवस के उपलक्ष्य में वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर रक्तदान कर सकते है।

लोकमाता देवी अहिल्या बाई सेवा मंच से नगर प्रचारक अभय

श्रीवास ने कहा कि, रक्तदान एक स्वस्थ प्रक्रिया है। मानव शरीर 4 से 8 सप्ताह में रक्त की भरपाई कर सकता है, जबकि रक्त प्लाज्मा 48 घंटों के भीतर भर जाता है। रक्तदान करने से शरीर में हानिकारक आयरन के जमाव को साफ करने में मदद मिलती है। जिससे हृदय रोगों की रोकथाम में मदद मिलती है। रक्तदान शिविर में नगर कार्यवाहक अमित महाजन, महाविधालय टोली, नगर प्रमुख शिवम राजपुत जिला रक्तकोष के महेन्द्र मुछाल, सचिन चौहान आदि उपस्थित रहे। वरिष्ठ स्वयंसेवक सावन धनगर, संवेदना पंढाणे, श्रेया सेन, पूजा सोलंकी, रितिक नागराज, रुचिका पाटीदार, साक्षी पाटीदार, गौतम भालसे, हर्षिता बदनावरे, आदि ने सहभागिता कर रक्तदान किया।

सिकल सेल एनिमिया जांच का दिया प्रशिक्षण

माही की गूंज, खरगोन। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भीकनगाँव में संस्था प्रभारी डॉ. हरिसिंह जाटव के नेतृत्व में बुधवार को भीकनगांव ब्लॉक के समस्त मेडिकल ऑफिसर, आरबीएसके एएमओ, सीएचओ, लैब तकनिशियन को सिकल सेल जांच एवं परामर्श का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण आईसीएमआर राष्ट्रीय जनजाति स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान जबलपुर के प्रोजेक्ट इंचार्ज डॉ. रविन्द्र छाबडा वैज्ञानिक आईसीएम आरएनआईआरटीएच जबलपुर की टीम के हेल्थ असिसटेन्ट एकता कोतपल्लीवार, लैब तकनिशियन राहुल भेलावे लैब तकनिशियन अनुश्री जैन लैब तकनिशियन अमन कुमार वासनिक के द्वारायह जानकारी बीईई गजानन लहाने द्वारा दिया गया।

केबिनेट मंत्री ने किया सेमली से नेवा नलती मार्ग का भूमिपूजन

माही की गूंज, बड़वानी।

प्रदेश के केबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल, राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी, जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल ने जिले के दूरस्थ ग्राम सेमली में सेमली से नेवा नलती मार्ग का भूमिपूजन किया। इस दौरान केबिनेट मंत्री ने बताया कि 652.43 लाख रूपये की लागत से 5.95 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया जाएगा जिससे ग्रामीणजनो को आवागमन सहित रोजमर्रा के कार्यो में सुविधा रहेगी। इस दौरान उन्होने प्रदेश के जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुये ग्रामीणो को इनसे लाभ उठाने का आव्हान भी किया। साथ ही मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना में धीरे-धीरे राशि बढ़ाकर 3 हजार रूपये करने तथा 21 वर्ष की आयु योजनान्तर्गत करने के लिये मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद देते हुये बहनो के लिये एक अनुठी पहल बताया। इस दौरान केबिनेट मंत्री ने कृषको का सम्मान करते हुये पात्र कृषको को ब्याज ऋण माफी के प्रमाण पत्रो का वितरण किया। कार्यक्रम में भाजपा महामंत्री विक्रम चैहान, ग्राम सरपंच, गणमान्यजन सुभाष जोशी व दिलू मालवीय सहित ग्रामीणजन उपस्थित थे।

अपनी क्षमताओं को समझकर विद्यार्थी आगे रास्ता चुनें-कलेक्टर

माही की गूंज, खरगोन।

जिले में 5 वर्षों के बाद प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय में कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा के विशेष निर्देशों पर किया गया। पांच वर्षों बाद हो रहे इस सम्मान समारोह में पहली बार 100 प्रतिशत परिणाम देने वाली संस्थाओं के प्राचार्य तथा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी आमंत्रित किया।

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने विद्यार्थियों, प्राचार्यों और अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि, किसी भी छात्र को सबसे पहले अपने अंदर की क्षमताओं और टेलेंट को समझना होगा। उसके अनुसार ही आगे का रास्ता चुने। हर छात्र की अपनी एक विशेष और अलग प्रतिभा होती है। दरअसल, सफल और असफल लोगों में हार्डवेयर एक समान होता है, जबकि सॉफ्टवेयर अलग होता है। यह सॉफ्टवेयर हम खुद विकसित और निर्माण करते हैं। प्रारम्भ से ही हम अध्ययन, प्रैक्टिस, जिज्ञासा, एक्सरसाइज और रुचि के बल पर सॉफ्टवेयर तैयार करते हैं।

कलेक्टर वर्मा ने अभिभावकों से कहा कि, किसी भी अन्य बच्चें से अपने बच्चें की तुलना नहीं करें, साथ ही अपनी इच्छाएं थोपना बंद करें इससे अच्छा होगा, उन्हें सही गलत और संस्कार बताएं। अब हार्ड वर्क से ज्यादा स्मार्ट वर्क का समय आ गया है। शिक्षकों को चाहिए कि वे बच्चों को लर्न करना सिखाये। रीड से ज्यादा लर्न मायने रखता है। विषय पर पकड़ होगी तो नम्बर अपने आप अच्छे मिलेंगे। साथ ही उन्हें बताये कि अपनी ऊर्जा अच्छे कार्यों में खर्च करें और परीक्षा के अंत तक रखें। संबोधन के बाद कलेक्टर वर्मा ने बड़े इत्मीनान के साथ 1 घण्टे से अधिक समय तक तकरीबन 8 से 10 विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए। इसके बाद कक्षा 10 वी में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 60 और कक्षा 12 वी में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 74 विद्यार्थियों में सभी को अपने हाथों से प्रमाण पत्र, मोमेंटो और याद स्वरूप पेन प्रदान की।

नागलवाड़ी उद्वहन सिंचाई परियोजना के कार्यों का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग एवं जिला पंचायत सीईओ जगदीश कुमार गोमे ने विकासखंड ठीकरी के ग्राम ब्राह्मणगांव पहुंचकर नांगलवाड़ी उदवहन सिंचाई परियोजना के तहत होने वाले कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने परियोजना के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए परियोजना में शेष रहे विद्युतीकरण एवं सिविल वर्क के कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी निर्देशित किया कि परियोजना का प्रारंभ करने से पहले एक बार परियोजना के कार्यों की टेस्टिंग भी की जाए। जिससे की अगर कहीं कोई टूट-फूट या अन्य कोई तकनीकी त्रुटि हो तो उसे समय रहते दुरुस्त किया जा सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ग्राम ब्राह्मणगांव, अजंदी एवं ग्राम रूई में बने पंपिंग स्टेशन सहित ग्राम रूई में किसान के खेत में बने सिंचाई स्टेशन का भी निरीक्षण कर परियोजना की कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

इस दौरान उपस्थित इंदिरा सागर परियोजना के कार्यपालन यंत्री सीबी टटवाल ने बताया कि, नागलवाड़ी उद्वहन सिंचाई परियोजना से जिले के 18720 रकबे में सिंचाई होगी तथा इस परियोजना कुल 124 गांव लाभान्वित होंगे। जिसमें जिले के 50 ग्राम में तथा खरगोन जिले के 74 ग्रामों में सिंचाई हेतु पानी पहुंचाएगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के तहत जिले में 5 जगहों पर पंपिंग स्टेशन बनाए गए हैं। ग्राम ब्राह्मणगांव, अजंदी, बड़सलाय, बोबलवाड़ी तथा ग्राम रूई में भी पंपिंग स्टेशन बनाए गए हैं तथा पाइप लाइन के माध्यम से किसानों के खेतो में सिंचाई हेतु छोटे-छोटे स्टेशन बनाए गए हैं। बड़वानी जिले के यह ग्राम होंगे परियोजना से लाभान्वित 1173 करोड़ की लागत से बनी नागलवाड़ी उद्वहन सिंचाई परियोजना से बड़वानी जिले के ग्राम अगलगांव, आंवली, बघाड़, बाजड़, बकवाडी, बालसमुद, भोरवाड़ा, भूलगांव, बोबलवाडी, चोथरिया, चितावल, देवला, देवनली, घटवा, घुसगांव, गोलपुरा, हलदड, इंद्रपुर, जाहूर, जुलवानिया, कड़वी, खापरखेड़ा, लिंगवा, लफनगांव, लहड़गांव, मातमुर, नागलवाड़ी बुजुर्ग, नागलवाड़ी खुर्द, नांदेड़, नीलकंठ, नीम सांगवी, निहाली, ओझर, पाडला, पानवा, रूई, सालीकलां, सालीटांडा, सांगवीठान, टाकली, टेमला, ठान, देवड़ा, घोलन्या, छोटा जुलवानीया, पीपरखेड़ा, बड़सलाई, झिरन्या, रूपखेड़ा, मदरानिया में सिंचाई हेतु पानी पहुंचेगा। निरीक्षण के दौरान एसडीएम राजपुर जितेन्द्र पटेल, तहसीलदार राजपुर भी उपस्थित थे।

माताओं, बहनों का उत्साह बता रहा है कि आगामी सरकार कांग्रेस की होगी - पटेल

नारी सम्मान योजना पंजीयन को लेकर विशल शिविर का हुआ आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर। फिरोज खान

जोबट विधानसभा के ग्राम बरझर में महेश पटेल व सेना पटेल के नेतृत्व में नारी सम्मान योजना वचन पत्र को लेकर विशाल पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बडी संख्या में महिलाओं ने अपना पंजीयन करवाया। पंजीयन कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती सेना पटेल व आजाद नगर भाभरा की महिला ब्लॉक अध्यक्ष रमिला बेन ने महिलाओं को फुलमाला पहनाकर की। स्वागत सम्मान के बाद मंच पर उपस्थित सभी कांग्रेसी नेताओं ने अपनी-अपनी बात रखी।

महेश पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि, आज इस कार्यक्रम में पंजीयन को लेकर माताओं व बहनो का उत्साह बता रहा है की आगामी विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत से कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। कांग्रेस की सरकार बनते ही 18 वर्ष से उपर सभी माताओं व बहनो को एक हजार 500 रुपए प्रतिमाह, गैस की टंकी 500 रुपए में, वही 100 युनिट तक बिजली माफ व 200 युनिट तक बिजली हाफ मिलेगी। पटेल ने मुख्यमंत्री शिवराजसिंह को आडे हाथ लेते हुए कहा कि, शिवराज मामा बने फिर रहे है तो फिर अपने भांजे-भाजियों को नौकरी क्यो नही दे रहे। क्यो नौकरी मांगने पर भोपाल में लठ्ठ से पीटवाते है। वही जोबट विधायक निधि का दुरूपयोग करने व इसकी जांच करने को लेकर कहा, अगर फर्जी तरीके से विधायक निधी निकाली जा रही है और उसका दरूपयोग हो रहा है तो दोषियों पर एफआईआर होनी चाहीए ये जनता का पैसा है किसी को खाने नही देगें।

नगर पालिका अलीराजपुर अध्यक्ष सेना पटेल ने महिलाओं को बताया कि, भाजपा की सरकार में महगाई चरम पर हो चुकी है और आम जनता का जीना दुष्वार हो चुका है। पेट्रोल-डीजल, किराना का भाव आसमान छु रहा है ओर भाजपा सरकार अपनी मस्ती मे मस्त सो रही है। आज इस महगाई में माताओं को अपना घर चलाना मुश्किल हो रहा है। श्रीमती पटेल ने महिलाओं के साथ संकल्प लिया के आगामी चुनाव में कांग्रेस को भारी बहुमतो से जीताकर कमलनाथ जी की सरकार बनायेगें।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर ने कहा कि, भाजपा के झूठे वादे व भ्रष्टाचार को जनता समझ चुकी है, पुरी मध्यप्रदेश की जनता इस बार भाजपा को प्रदेश को उखाड फेकने वाली है।

कार्यवाहक ब्लॉक अध्यक्ष हरीश भाबर ने कहा कि, कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक चुनाव से पहले जो वादे कीये थे सरकार बनते ही उसे पुरा कर रही है। वहां वचन अनुसार महिलाओं को 2 हजार रुपए महीना व चावल मिलना शुरू हो चुका है। उसी प्रकार मध्यप्रदेश में सरकार बनते ही सभी महिलाओं को एक हजार 500 रुपए प्रतिमाह व गैस टंकी 500 रुपए में मिलेगी।

बरझर तम्बोलिया फलिया में आयोजित समारोह कार्यक्रम के बाद मालपुर बरझर में सड़क मार्ग पर डीजे के साथ रैली निकाली। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूदगी देख रैली का नेतृत्व कर रही सेना पटेल, महेश? पटेल, ओम राठोड, लहीक मो शेख, विक्रम शाहू डीजे थिरकने से रोक नहीं पाए। साथ में महिलाओं ने भी नृत्य किया। साथ ही सेना पटेल ने महिलाओं का पुष्प पहना कर सभी का स्वागत भी किया।

इस अवसर पर सोनू वर्मा, अज़हर चंदेरी, आकाश उपाध्याय, लहीक मो शेख, हरीश भाबर, इरसाद खान, विक्रम शाहू, महेश मावी, अनोपसिह परमार, रमीला बेन भूरिया, पथी भाई, सोमला बारिया, रामसिंह कोचरा व बड़ी संख्या में महिलाएं मोजूद थी।

गरीब मजदूरों के पेट पर लात मार तालाब निर्माण में किया जा रहा मशीन का उपयोग

सरपंच-सचिव व सब इंजीनियर की सांठ-गांठ से दिया जा रहा भ्रष्टाचार को अंजाम

माही की गूंज, जोबट। अनिल हरवाल

अलीराजपुर जिले के जोबट जनपद पंचायत की सेमलाया ग्राम पंचायत मे मनरेगा योजना के तहत तालाब निर्माण का कार्य किया जा रहा है। जिसमें मजदूरों द्वारा तालाब का काम करना होता है। जिससे की गरीब मजदूरों को आर्थिक सहायता मिल सके। लेकिन सरपंच-सचिव और इंजीनियर की मिली भगत से चंद पैसों की लालच में गरीब मजदूरों के पेट पर लात मारकर जेसीबी व प्रोकलेन द्वारा तालाब का निर्माण किया जा रहा है। जबकि तालाब पर मजदूरों द्वारा काम केवल कागजो पर ही किया जा रहा है असल मे मोके पर मनरेगा के तहत कार्य करने वाले मजदूर की जगह मशीनों ने ले रखी है। चंद पैसों की लालच में सरपंच-सचिव और इंजीनियर की सांठ-गांठ से ठेकेदारों को चंद पैसों के कमीशन पर काम दिए जाते है और सरपंच-सचिव और इंजीनियर इन्ही चंद पैसों की लालच में आकर गरीब मजदूरों के पेट पर हाथ मारने का काम कर रहे हैं।

गांव के मजदूर बाहर के राज्य में काम करने न जाए इसलिए सरकार ने गरीब मजदूरों के लिए मनरेगा जैसी योजनाएं बनाई है। जबकि गांव में कोई भी कार्य ग्राम पंचायत के सरपंच-सचिव और इंजीनियर मिलकर काम को ठेकेदार के हाथों में दे देते हैं और वह ठेकेदार मशीन लगाकर काम को कुछ ही दिनो मे पूरा कर देता है। जैसा कि आप फोटो में देख रहे हैं कि, प्रोकलेन मशीन के द्वारा एक तालाब को कुछ ही दिनों में बनाकर तैयार कर दिया है। जिसकी लागत लगभग 23 लाख बताई जा रही है। जब हमने ग्राम के जिम्मेदार से बात की तो उन्होंने बताया कि, हमें तो पता ही नहीं चला कि हमारे गांव में तालाब बन रहा है। जबकि वह काम मजदूरों द्वारा होना था।

कस्बे में बिजली केबल जगह-जगह पर टूटने के कारण गांठें बंधी

घटिया केबल बार-बार होती है फाल्ट, कभी भी बिजली हो जाती है गुल

माही की गूंज, आम्बुआ।

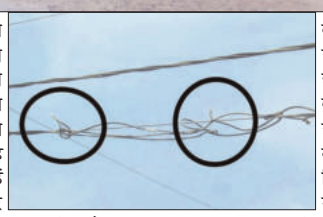

कस्बे में वर्ष 2017 में बिजली के तारों को हटाकर केबल डाली गई थी, उस समय केबल की स्थिति देखते हुए नागरिकों ने विरोध किया मगर ठेकेदार एवं बिजली अधिकारियों ने किसी की भी नहीं सुनी। जिसका खामियाजा आज बिजली उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है। जगह-जगह पर केबल टूटने के कारण गांठें लगी है जो कभी टूट जाती है और कभी भी बिजली गुल हो जाना आम बात हो गई है बिजली विभाग भी ध्यान नहीं दे रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार शासन की बिजली चोरी रोकने की योजना के तहत खंभों पर लगे बिजली तारों को हटाकर केबल लाइन आम्बुआ में वर्ष 2017 में डाली गई थी। जिस समय केबल लाइन बिछाई जा रही थी उस समय ही नागरिकों ने विरोध किया था कि, केबल हल्की और घटिया है मगर तब ठेकेदार और बिजली विभाग जिनकी मिलीभगत से घटिया केबल डाली जा रही थी ने एक भी बात नहीं सुनी तथा तार निकालकर केबल डाल दी गई। जैसे ही लाइन चालू की गई कई स्थान पर केवल जल गई तो कई घरों में वोल्टेज कम ज्यादा हो जाने से घरेलू बिजली उपकरण तथा सामान जल गया। हो-हल्ला मचने पर डबल केबल डाली गई ताकि वह वोल्टेज को झेल सके मगर वैसा नहीं हुआ और आज 6 वर्ष बाद भी उपभोक्ता केबल के कारण परेशान है।

आम्बुआ कस्बे में डाली गई केवल कई जगह इतनी नीचे आ गई है कि, हाथ से छुआ जा सकता है तथा कई स्थानों पर बार-बार केवल जलने टूटने के कारण बिजली कर्मचारियों ने गांठें लगा दी है जो कि बढ़ते घटते वोल्टेज को सहन नहीं कर पाने के कारण कभी भी टूट कर नीचे गिर जाती है। कभी केबल में तो कभी बॉक्स में आग लग जाया करती है। वोल्टेज समस्या तो बनी हुई है हल्की हवा आंधी या बारिश होते ही बिजली ऐसे गुल हो जाती है। जैसे कि, बिजली न होकर घरेलू चिमनी या दिया हो जो हवा पानी के कारण बुझ जाता है। नागरिकों की मांग है कि, टूटी-फूटी और गांठें लगी केबल को तत्काल निकाल कर मोटी और मजबूत केबल लाइन बिछाई जाए ताकि बिजली की आंख मिचौली से छुटकारा मिल सके तथा बार-बार केबल टूटने की घटनाऐं न हो सके।

कार्यपालन यंत्री विद्युत विभाग अलिराजपुर कमल तड़वाल का कहना है कि, आगे जानकारी भेज दी है। पूरी लाईन ही बदलना है जल्द कार्य हो जायेगा।

आप की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अग्रवाल ने आजाद को नमन कर निकाली में निकली वाहन रेली

माही की गूंज, अलीराजपुर।

आम आदमी पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमति रानी अग्रवाल का अलीराजपुर जिले में प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद यह प्रथम दौरा था, जिसमे सुबह 10 बजे अध्यक्ष आजाद कुटिया पहुंची और उन्होंने देश के महान क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्र शेखर आजाद को श्रद्धुसूमन अर्पित किए। इसके बाद आजादनगर से रेली के रूप में अलीराजपुर रवाना हुए। आम्बुआ व जोबट के कार्यकताओं ने पुष्पमालाओं से उनका स्वागत किया। उसके पश्चात अलीराजपुर में रेस्ट हाउस में पहुंचकर कार्यकताओं से मुलाकात की ओर साथ ही प्रेस वार्ता की। जिसमे आदिवासी समाज के यूवाओ की जो जमीन के लिए उनके लिए आदिवासी यूवाओ के हौसले और जज्बे को सलाम किया और अलीराजपुर जिले के अभी तक भी पिछड़े होने का मुख्य कारण भाजपा और कांग्रेस जेसी भ्रष्ट राजनेतिक पार्टियां और उनके प्रतिनिधि और नेता को माना। क्योंकि आजादी के 75 वर्षो बाद भी अलीराजपुर जिले में मूलभूत सुविधाओं की कमी है। जिसमे शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, रोजगार और अलीराजपुर जिले का मुख्य मुद्दा बेरोजगारी, जिसके कारण इस क्षेत्र का शिक्षित युवा आज भी रोजगार के लिए पलायन कर गुजरात जाने को मजबूर है। आगामी दिनों में आम आदमी पार्टी पूरे प्रदेश में 230 सीटो पर स्वतंत्र रूप से चुनाव लडेगी और जीतेगी और आम आदमी पार्टी की सरकार बनाएगी।

रेली मुख्य हाट गली से होकर टंट्या मामा चौराहा, दाहोद नाके पर पहुंची और टंट्या मामा की प्रतिमा पर प्रदेश अध्यक्ष सहित सभी कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया और प्रण लिया की आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो आदिवासी क्षेत्रों का संपूर्ण विकास करेंगे।इसी चौराहे पर प्रदेश अध्यक्ष ने आम सभा को संबोधित किया और सभी कार्यक्रताओं को मजबूती से चुनाव के लिए गांव-गांव जाने को कहा और सभी एकजुट होकर पार्टी के लिए कार्य करे सभी रेली में पधारे कार्यकर्ता और पधाधिकारियों का राकेश जमरा ने आभार माना।

रेली और कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष के साथ इंद्रविक्रम जीत सिंह फाउंडर मेंबर आम आदमी पार्टी, माधवसिंह किराड़े संगठन सचिव, कमल गुप्ता महापौर प्रत्याशी इंदौर, शैली राणावत संगठन सचिव इंदौर रीजन, आमोद गुप्ता लीगल विंग प्रदेश अध्यक्ष, देवा मेड़ा लोकसभा प्रभारी, राजेश गवाना लोकसभा सचिव, दिलीपसिंह भूरिया लोकसभा संयुक्त सचिव रतलाम झाबुआ अलीराजपुर, राकेश जमरा जिला अध्यक्ष, करण अवासीय जिला अध्यक्ष किसान विंग, हीरालाल पटेल जिला अधिक एसटी विंग, हिरला चौहान जिला सचिव, राडिया पड़ियार जिला सयुक्त सचिव, रिकेश पटेल जिला संयुक्त सचिव, इमरान खत्री पार्षद पुत्र अलीराजपुर, सावन सोलंकी जिला यूथ विंग अध्यक्ष, डीएस कनेश रिटायर्ड डीएफओ, सुमसिंग रावत जिला सयुंक्त सचिव, नवल सिंह रावत, जालू आवासीया सर्कल अध्यक्ष, दिलीप डावर जिला उपाध्यक्ष, कैलाश डावर ब्लॉक अध्यक्ष अलीराजपुर, रंगराज डावर ब्लॉक अध्यक्ष, रूपेश मोरी सर्कल अध्यक्ष, सुनील तोमर जिला मीडिया प्रभारी, सुरेश कनेश, संजय अवासिया, विक्रम डावर, भीमसिंह चौहान, रवि किराड़े संयुक्त सचिव, मंगेश पटेल, मालूसिंग मौर्य, संदीप मौर्य, मगेसिंह पचाया सर्कल प्रभारी, दिनेश मावी सर्कल प्रभारी, अजीत सोलंकी सर्कल प्रभारी, सुलतान खत्री पार्षद उम्मीदवार, अब्बासी साइकिल वाला पार्षद उम्मीदवार, सब्बीर लाइट वाला पार्षद उम्मीदवार, सुनील भूरिया आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

वर्षा पूर्व अनाज संग्रह की तैयारी में जुटे ग्रामीण, खरीद रहे बांस की कोठियां

माही की गूंज, आम्बुआ।

शहरी क्षेत्रों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षा वर्ष भर के लिए खाद्यान्न तथा बीज आदि का संग्रह वर्षा पूर्व करने की परंपरा आज भी कायम है। शहरी क्षेत्रों में जहां लोहे या प्लास्टिक के ड्रम काम में लिए जाते हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी मिट्टी तथा बांस की कोठियां काम में लाई जाती है जिनमें अनाज सुरक्षित रखा जाता है।

वर्ष भर भोजन की व्यवस्था हेतु अनाज संग्रह कर रखा जाता है। अनाज खराब न हो इसके लिए शहरी क्षेत्रों में लोग लोहे तथा प्लास्टिक के ड्रम टंकियों के साथ ही अनाज में कीटनाशक गोलियां आदि रखी जाती है। ताकि अनाज तथा बीज खराब न हो मगर ग्रामीण क्षेत्रों में मिट्टी के बर्तन कोठियां तथा बांस से निर्मित कोठियों का प्रचलन आज भी है। कीटनाशक गोलियां रखने के बाद भी कई बार अनाज खराब हो जाता है। मगर मिट्टी तथा बांस की कोठियों में रखा अनाज तथा बीच में नीम के सूखे पत्ते डालें जा कर उन्हें मिट्टी का लेप लगाकर मुंह बंद किया जाता है जिसमे रखा अनाज बीज कभी भी साल भर रखा रहने के बावजूद खराब नहीं होता है। यही कारण है कि सामाहिक हाट बाजारों में बांस से बनी कोठियां आज भी ग्रामीण खरीद कर ले जाते देखे जा सकते है। ताकि वर्षा पूर्व इन्हें गोबर मिट्टी से लीप कर सुखाने के कारण अनाज तथा बीज भरकर सुरक्षित रख दिया जाए।

जिले में वनोपज एवं प्राकृतिक संसाधन प्रचुर मात्रा है -श्री डावर

माही की गूंज, आम्बुआ। विशेष जिला प्रतिनिधि जगराम विश्वकर्मा

हमारा आदिवासी कृषक बाहुल्य जिला है यहां के कृषक रात दिन मेहनत कर अनाज के साथ-साथ फलों एवं सब्जियों आदि का उत्पादन करते हैं। जिले में वनोपज एवं प्राकृतिक संसाधन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं यही कारण है कि अलीराजपुर जिला प्रदेश एवं देश स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है।

उक्त विचार मध्य प्रदेश वन विभाग निगम के अध्यक्ष तथा पूर्व विधायक एवं सांसद प्रतिनिधि माधौसिंह डावर ने जिला मुख्यालय पर उद्यानकी विभाग द्वारा आयोजित आम महोत्सव में व्यक्त किए। उन्होंने आगे बताया कि, जिले में विभिन्न ग्रामों में कृषक पारंपरिक फसलों के अलावा फलों की खेती भी कर रहे हैं। कट्ठीवाड़ा जैसा सुदूर पहाड़ी क्षेत्र में आमों के लिए देश-विदेश से मशहूर रहा है। मगर अब अन्य ग्रामीण क्षेत्र भी विभिन्न किस्मों के आम उत्पादन कर रहे हैं। जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण यह आम महोत्सव है। आम प्रदर्शनी में कट्ठीवाड़ा, नानपुर, सोंडवा, जोबट, फुलमाल, खट्टाली सहित अनेक ग्रामों के कृषक आम लेकर आए हैं। अलीराजपुर आम मंडी देसी आम के लिए प्रसिद्ध है। ग्रामीण अधिक से अधिक आम के वृक्षारोपण करें इस के लिए उद्यानकी विभाग को विशेष पहल करना होगी। आगामी वर्षा काल में अधिक से अधिक फलदार वृक्षों का रोपण किया जाए। स्व सहायता महिला समूह आजीविका मिशन से जुड़े समूह को इसमें जोड़ा जाए ताकि वह आम के विभिन्न उत्पाद तैयार कर बाहर भेज सकें।

कार्यक्रम को अलीराजपुर के पूर्व विधायक तथा सांसद प्रतिनिधि एवं प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष नागर सिंह चौहान ने संबोधित करते हुए कहा कि, जिले में आम को विशिष्ट पहचान मिले तथा कृषकों को उचित दाम मिले इस ओर उद्यानकी विभाग को विशेष प्रयास करना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि, नर्मदा का जल अति शीघ्र जिले में पहुंच रहा है जिससे सिंचाई कर अधिक उत्पादन ले। युवाओं से स्वरोजगार स्थापित करने एवं उससे लाभ लेने का आव्हान किया।

कार्यक्रम को प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक चौधरी ने संबोधित करते हुए कहा कि, आम महोत्सव के माध्यम से हम आम के विभिन्न उत्पादन हेतु किसानों को बेहतर लाभ दिलाने हेतु मार्केटिंग की विशेष पहल की जाएगी।

कार्यक्रम के पूर्व अतिथियों ने भारत माता के चित्र पर पूजन एवं माल्यार्पण किया। इसके पश्चात उद्यानकी विभाग के सहायक संचालन कैलाश चौहान ने स्वागत भाषण में अतिथियों का स्वागत के साथ ही आम महोत्सव तथा जिले में उद्यानकी विभाग द्वारा ग्रामों में ग्रामीणों को फलों उद्यान हेतु प्रेरित करने कहां-कहां पर कृषकों को लाभ दिया गया आदि की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस महोत्सव में 150 से अधिक आम की प्रजातियों को प्रदर्शित किया गया तथा बिक्री की गई कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि खुर्शीद अली दीवान, भाजपा जिलाध्यक्ष मकू परवाल, उद्यानिकी विभाग के कर्मचारी, सम्मानीय पत्रकार, नागरिक, कृषक, सरपंच पंच उपस्थित रहे।

रेत माफिया से डीजल माफिया बना गुल्लु लंगोट का ढीला और धोखेबाज भी

रेत के अवैध धंधे को ढीला छोड़, अवैध तेल के काले धंधे में काट रहा चांदी

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। माही की गूंज के पिछले अंकों में माफिया और दलालों की बखिया उधड़ने के बाद अब परिस्थितियां लगातार नए राज खोलती नजर आ रही है। रेत माफिया से शुरू हुई रेत के काले धंधे की यह कहानी अब कहानीकार तक पहुंचने लगी है।

अपनी नेतागिरी और संरक्षण के बल पर यह रेत माफिया दिन दुनी और रात चौगुनी तरक्की अपनी काली कमाई में कर रहे है। रेत का खेल उजागर होने के बाद सारे पापी अपने आपको दूध का धुला बता रहे है। तमाम दलाल अपने पर लगे आरोपों और काले धंधे को नकार रहे है मगर हकीकत ठीक इसके विपरीत दिखाई पड़ रही है। हां यह जरूर है कि, रेत माफियाओं की काली कहानी उजागर होने के बाद इसमें कमी जरूर आई है। रेत के धंधे में पिछले कई वर्षों से चांदी काट रहे माफियाओं और दल्लों ने अब अपना रूख पलट लिया है। माफियाओं और दल्लों ने रेत के अवैध धंधे को थोड़ा विश्राम देते हुए पिछले कुछ महीनों में तेल के काले धंधे में अपना हाथ आजमाना शुरू कर दिया है। रेत के अवैध धंधे का सबसे बड़ा दल्ला और माफिया गुल्लु अब रेत की अवैध कमाई से चांदी काटने के बाद पिछले लगभग एक साल से नकली तेल के अवैध धंधे में अपने हाथ काले कर रहा है। बताने वाले बताते है कि, पिछले लगभग एक साल से गुल्लु ने रेत का काला कारोबार बहुत सिमित कर दिया है, लेकिन प्रमाण तो यह कहते है कि, रेत के इस अवैध धंधे से गुल्लु का मोह कभी भंग नही हुआ। रेत के अवैध धंधे से ध्यान हटाने का एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि, गुल्लु को अब नकली बॉयोडीजल के अवैध धंधे में ज्यादा काली कमाई नजर आ रही है। सुत्र यह बताते है कि, गुल्लु के इस तेल के काले धंधे में अलीराजपुर जिले के एक भाजपाई नेता का भी हिस्सा है, जिसकी रेत से भरी गाड़ी पर महज कुछ दिनों पूर्व एसडीएम ने रात के अंधेरे में ताबड़तोड़ कार्रवाई कर डाली थी। यह अगल बात है की अवैध वूसली के आरोप अधिकारियों पर भी लगे थे। हालांकि झाबुआ जिले में रेत के धंधे का इतिहास यह बताता है कि, जिले में रेत के धंधे की शुरूआत रानापुर के व्यापारियों ने की थी। जिसके बाद यहीं के व्यापारियों के जरिये यह रेत का व्यापार आगे बढ़ा। बताने वाले यह भी बताते है कि, रेत के अवैध धंधे में माफिया और दल्ले गुल्लु का जो नाम बना है उसे भी रानापुर के व्यापारियों ने ही धंधा करना सिखाया था। मगर समय के साथ रेत के इस अवैध धंधे पर गुल्लु ने पूरी तरह से कब्जा कर लिया और जिस थाली में खाया उसी में छेद करते हुए रानापुर के व्यापारियों को ही बट्टा लगा कर उनके पेट पर लात मार दी। गुल्लु की हरकत से वर्तमान में स्थिति कुछ ऐसी है कि, जिन लोगों ने रानापुर से रेत के इस धंधे की शुरूआत की थी वह अब दयनीय स्थिति में पहुंच चुके है। यहां तक कि, गुल्लु के ही कारण अब उनके जीवन यापन के ही लाले पड़ रहे है। रेत के धंधे में सारी खिचड़ी ढोलकर गुल्लु अब तेल के धंधे में प्रवेश कर चुका है। सुत्र बताते है कि, भाजपाई नेता और गुल्लु का नकली बॉयोडीजल का यह अवैध धंधा अलीराजपुर-छोटाउदयपुर हाईवे पर जमकर चल रहा है। इस हाईवे पर माफियाओं का चलित वाहन जहां-तहां खड़े रहकर अपने बॉयोडीजल के अवैध धंधे को अंजाम देता ही रहता है। हालांकि बॉयोडीजल माफियाओं का कोई स्थाई ठिकाना नहीं है। यह अपने ठीकानें हमेशा बदलते ही रहते है। पहले माफियाओं का अवैध बॉयोडीजल का यह धंधा इसी हाइवे पर अलीराजपुर के इर्द-गिर्द मंडराता था। बाद में माफियाओं ने अपनी जगह बदली और अलीराजपुर से थोड़ी दूरी पर अवैध धंधे को अंजाम दिया जाता था। मगर सुत्रों से मिली जानकारी यह बताती है कि, अब वर्तमान में इन्होने इसी हाइवे पर कठ्ठीवाड़ा क्षेत्र को अपना ठिकाना बना रखा है जहा अवैध बायो डीजल को डम करने के लिये गोडाउन बना रखा है। वही टेंकर से सीधे छोटी मशीन लगाकर वाहनों में नकली और अवैध बॉयोडीजल भरा जाता है और जमकर चांद काटी जाती है। बॉयोडीजल के इस अवैध धंधे में इन माफियाओं की ग्राहकी भी इतनी मजबूत है कि, इनके तमाम ग्राहकों को इनके ठीकाने की जानकारी पुख्ता रूप से होती है। कब, कहां अवैध बॉयोडीजल से भरा वाहन मिलेगा, इसकी सारी जानकारी माफिया खुद फोन के जरिए अपने ग्राहकों को पहले ही दे देते है। इस हाइवे और रूट पर चलने वाले वाहनों की जानकारी

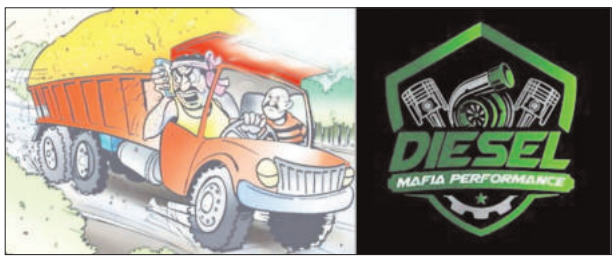

भी इन डीजल माफियाओं को होती है। कुल मिलाकर माफियाओं का यह बॉयोडीजल का अवैध धंधा जमकर चल रहा है।

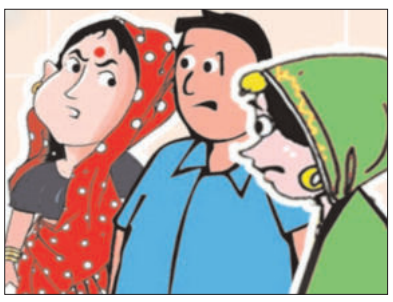

इससे पहले माही की गूंज झाबुआ जिले में पनपे नकली बॉयोडीजल के अवैध दर्जन भर ठिकानों को उजागर कर चुका है। इसका परिणाम यह हुआ कि, बंदरबांट करने वाला प्रशासन इतना दबाव में आया कि, झाबुआ जिले में चलने वाले तमाम नकली बॉयोडीजल के ठीकानों को कार्रवाई कर बंद करना पड़ा था और माफियाओं को झाबुआ जिले की सीमा छोडऩी पड़ी थी। मगर समय के साथ अब फिर से झाबुआ जिले की सीमाओं में इन नकली बॉयोडीजल माफियाओं की सुगबुगाहट धीरे-धीरे सामने आने लगी है। मिली जानकारी के अनुसार फिर से वही एक साल पहले वाली कहानी दोहराने की तैयारी माफिया और सिखंडी पत्रकारों ने कर ली है। अभी शुरूआती दौर में कोई हल्ला ना करते हुए एक दिन छोड़कर रात के अंधेरे में, पत्रकारों के जरिए प्रशानिक संरक्षण हांसिल कर एक दिन छोड़कर जिले की सीमा में चलते वाहन से अवैध बॉयोडीजल का धंधा माफिया कर रहे है। हालांकि डीजल माफियाओं की इस अंधेरी रात की काली करतूत पर माही की गूंज लगातार अपनी नजरें जमाए हुए है। यहां भी समय के साथ परत दर परत खुलासा होता रहेगा।

धोखेबाज और लंगोट का ढीला भी है गुल्लु

गुल्लु की इस अवैध कमाई ने उसके खून में इतना पाप घोल दिया कि, वह अपनी इस हराम की कमाई के बूते वह सारी अय्याशियां करने लगा जो वह कर सकता था। गुल्लु के बारे में सुत्र तो यहां तक बताते है कि, लंगोट के इस ढीले ने दो शादियां कर रखी है। पहली शादी तो समाज में ही परिवार की सहमती से की तो दूसरी पर्दे के पीछे रहकर। अपनी अवैध और हराम की कमाई के बूते और अय्याशियों के चलते गुल्लु इतना नीचे गिरा की उसने पर्दे के पीछे छुप कर दूसरी शादी कर ली। जबकि मुस्लिम समाज के नियम अनुसार किसी भी व्यक्ति को दूसरी शादी करने के लिए अपनी पहली पत्नी से सहमती लेना जरूरी है। सरिया कानून के हिसाब से यह माना जाता कि, अगर कोई व्यक्ति एक से अधिक शादी करना चाहता है तो वह इतना सक्षम हो कि दोनों पत्नीयों के साथ समान व्यवहार कर सके। यानि समाज में भी दोनों को ही समान अधिकार और सम्मान दिला सके। चूंकि सरिया कानून में चार शादियां करने की छूट है, मगर सभी चार शादियों में यह शर्त लागू होती है कि, अगर दूसरी शादी करना है तो पहली पत्नी की सहमति जरूरी है, और अगर तीसरी शादी करना है तो पहली दो पत्नीयों की सहमती जरूरी है। इसी तरह चौथी शादी के लिए पहली तीन पत्नीयों की सहमती और कारण का होना जरूरी है। इसी के साथ सभी का समाज में समान अधिकार और सम्मान का होना भी जरूरी है। चूंकि लंगोट के ढीले गुल्लु ने समाज से छुप कर दूसरी शादी की है तो यह सरासर दूसरी पत्नी के साथ खुला शोषण है।

बताने वाले बताते है कि, जिस दूसरी महिला से गुल्लु ने शादी की है उसे शादी के बाद गुल्लु ने कहीं और रखा। मतलब समाज और घर वालों से छुपाकर। कुछ समय बाद जब दूसरी पत्नी को गुल्लु रंग-ढंग अच्छे नहीं लगे तो दोनों के बीच विवाद की स्थिति बन गई। कुछ समय अलग रहने के बाद गुल्लु अपनी दूसरी पत्नी को फिर से बहला फुसलाकर अपने साथ ले आया और दूसरे शहर में किराये पर मकान लेकर वहां पर रखा। चूंकि गुल्लु का परिवार झाबुआ में ही निवास करता है, और गुल्लु का कोई ठिकाना नहीं है। वह अपने अवैध धंधे के सिलसिले में लगातार भटकता ही रहता है। गुल्लु की दूसरी शादी की बात परिवार से छुपी हुई थी तो गुल्लु काम-काज के बहाने अपनी अय्याशी पूरी करने दूसरी पत्नी को समय दे देता था। कुछ समय तो सब कुछ ठीक रहा लेकिन समय के साथ गुल्लु की दूसरी पत्नी को स्थितियां फिर से ढाक के तीन पात होती नजर आई और फिर से स्थितियां विवादित हो गई। सुत्र बताते है कि, दूसरी पत्नी से गुल्लु की एक संतान भी है। मामला उलझते देख गुल्लु अब अपनी दूसरी पत्नी से पीछा छुड़ाने की सोच बना चुका था। गुल्लु और उसकी दूसरी पत्नी में विवाद इतना गहरा गया कि, बात कोर्ट तक पहुंच गई। गुल्लु की दूसरी पत्नी ने शोषण का शिकार होते हुए इंदौर हाईकोर्ट में गुल्लु के खिलाफ वाद दायर कर दिया। परिवार भरण पोषण के वाद में जब गुल्लु की पेशी हुई तो गुल्लु यहां खुले रूप से मुकर गया कि, उसके पास उसकी दूसरी पत्नी को देने के लिए कुछ नहीं है। एक अबला नारी को शादी का झांसा देकर उसके साथ हर तरह का शोषण करने के बाद लंगोट का ढीला पूरी तरह से मुकर गया। इससे यह तो साबित होता ही है कि, लंगोट का ढीला गुल्लु धोखेबाज भी है। गुल्लु ने इस पूरे मामले में उल्टी माला फेरना शुरू कर दी है।

माही की गूंज इस मामले की पूरी जानकारी समय के साथ उजागर करेगा। गुल्लु के और भी अजब-गजब कारनामों पर लगातार हमारी नजरें बनी हुई है। दान में दी गई पुस्तैनी जमीन पर गुल्लु किस तरह व किस के संरक्षण में कर रहा है दावा। संरक्षकों के नाम और उनको दिया गया लालीपॉप अन्य आदि सबकुछ... !

2 हजार का नोट घूम रहा बाजार, आश्रय नहीं दे रहा कोई दुकानदार

बैंक में केश की कमी, व्यापारी भी 2 हजार का नोट लेने से कर रहे मना

माही की गूंज, थांदला।

''क्या जुर्म था हमारा जो खफा हो गये, तुम मिले भी नहीं और जुदा हो गये'' गरीब मध्यमवर्गीय परिवार तो अभी 2 हजार के नोट का ठीक से दीदार भी नही कर सके होंगे और आरबीआई व मोदी सरकार ने महज 6 वर्षों में ही 2 हजार नोट की विदाई तय कर सबको चौका दिया। अस्पष्ट तौर पर सरकार ने 2 हजार के नोट वापस लेने का एलान क्या कर दिया व्यापारियों का भरोसा ही 2 हजार के नोट से उठ गया। मोदी सरकार द्वारा 500 व 1000 रुपये की नोट बंदी के बाद 10 नवम्बर 2016 को 2000 रुपये का नोट बाजारों में चलन में आया था जो कुछ ही समय में बड़े सेठों की तिजोरियों में जमा हो गया और बाजारों से गायब हो गया था। ऐसे में काला बाजारी पर रोक व अर्थ व्यवस्था को संभालने (बैंकों में पैसा जमा होने) के उद्देश्य को लेकर शासन-प्रशासन के नोट वापसी के लिए बिना आधार हैरत भरें फैसलें के बाद लम्बे समय बाद 2000 रुपये के नोट बाजारों में घूमते हुए दिखाई दे रहे हैं लेकिन अब कोई भी व्यापारी इन्हें आश्रय नही दे रहा है। खास बात यह है कि, मार्केट में इसे लेकर घूमने वालें लोग कोई रसूखदार नही है ये तो सामान्य व मध्यम वर्ग की जनता है वही भिखारी, फेरी वालें व जड़ीबूटी बेचने वालें अन्य राज्यों के लोग भी है जिन्होनें अपने भविष्य की चिंता कर कुछ धन 2 हजार के नोट के रूप में संग्रहित कर लिया था जो अब डरें-डरें से लग रहे है व इसे जल्द बाजारों में खपा देने की जल्दबाजी भी कर रहे है। धनी व बड़ा तबका अभी भी 2 हजार के नोट को लेकर खामोश है, उसे पता है समय पर्याप्त है व कैसे इससे निपटना है कि, साँप भी निकल जाए और लाठी भी नही टूटे। वही बैंकों को एक साथ 10 नोट (20 हजार) तक बदलने के लिए किसी भी प्रकार के प्रमाण की जरूरत नही होने की आजादी से काला बाजारियों की बल्ले-बल्ले हो गई। ऐसे में सरकार ने काला बाजारियों व ब्लैक मनी पकड़ने में बड़ी चूक कर दी। जिस तरह से 2 हजार के नोट बदली का काम चल रहा है इससे तो रसूखदार की बन्द तिजोरियों के नोट आसानी से बैंक में न केवल पहुँच गए है अपितु बदले भी गए है, जिसका प्रमाण राष्ट्रीयकृत बैंकों में रोजाना मनी क्राइसिस के रूप में देखा जा रहा है। यदि इनके पास ब्लैक मनी नही होती तो नोट बदली की जगह ये लोग सीधा अपने खातों में पैसा जमा करवा देते। आये दिन बैंक में मनी कम होने की समस्या देखी जा रही है जिसका कारण है बैंक में एक दिन में 100 के करीब लोग अपना 2 हजार के नोट के रूप में पड़ा काला-सफेद धन बदलवाने बैंक आते है ऐसे में कैशियर के लिए समस्या यह है कि, वे अपने नियमित ग्राहकों द्वारा पेमेंट निकासी को महत्व दे या फिर नोट बदली करें। मोदी सरकार द्वारा पहले भी नोट बदली पर सवालिया निशान लगे थे वही उससे सबक न लेकर अथवा किसी डर की वजह से ही नोट बदली में प्रमाण को नजर अंदाज किया जाना भ्रष्टाचार को बढ़ावा ही दिया जा रहा है। आरबीआई के इस फैसले के चलते काला बाजारी व कालें धन को तो सरकार नही पकड़ पाएगी लेकिन फिर भी व्यापारियों में 2000 के नोट को लेकर भय स्पष्ट रूप से दिख रहा है। ऐसे में वे फुटकर व छोटे व्यापारियों से 2 हजार के नोट लेने से इंकार कर रहे है, वही कुछ व्यापारी 2 हजार के बदले 15 सौ का माल दे रहे है। ऐसे समय में थोक विक्रेताओं नें अपनी डूबती उधारी पटाने के लिए 2 हजार के नोट लेना स्वीकार कर लिया है जिससे बाजारों में लंबी मंदी के बाद रौनक भी दिखाई देने लगी है। यहाँ इस बात का जिक्र करना भी जरूरी हो जाता है कि, आरबीआई 30 सितम्बर तक 2 हजार के नोट वापस लेगी लेकिन इसका चलन बन्द होगा या नही व ग्राहक अपने खातें में कब तक जमा करा सकता है इसे लेकर कोई स्पष्टीकरण नही आया है। फिलहाल आरबीआई 2 हजार नोट अब जारी नही करेगा।

देवांशी की मेहनत ला रही है रंग, महिला क्रिकेट में एक ओर सफलता

मध्य प्रदेश क्रिकेट की अंडर-19 टीम के लिए 23 खिलाड़ीयो में चयन, अंतिम 16 में चयन का इंतजार

माही की गूंज, पेटलावद।

नगर की बिटिया ने एक बार फिर नगर का गौरव बढ़ाया है। नगर की बिटिया दिव्यांशी महेंद्र चौधरी का चयन मध्यप्रदेश अंडर 19 क्रिकेट टीम के लिए अन्तिम 23 खिलाडियों में चयनित हुई हैं। बिटिया दिव्यांशी चौधरी जो की पेटलावद नगर के चौधरी परिवार कि बिटिया है जो वर्तमान में खेलो इंडिया योजना के तहत मध्यप्रदेश शासन की महिला क्रिकेट एकेडमी शिवपुरी ग्वालियर में चयनित होकर कोच अरुणसिंह जो भारतीय क्रिकेटर नमन ओझा के भी कोच रहे हैं उनके सानिध्य में कोचिंग प्राप्त कर रही हैं। जिसका सारा वहन मध्यप्रदेश शासन उठा रही है। बिटिया दिव्यांशी चौधरी जिनकी प्रारंभिक क्रिकेट कोचिंग अपने बड़े पापा भरत चौधरी से ही प्राप्त की हैं व दिव्यांशी स्कूली क्रिकेट में मध्य प्रदेश टीम से कर्नाटक जा कर खेल चुकी हैं। दिव्यांशी जो कि, शासकीय माडल स्कूल पेटलावद की छात्रा रही है जिन्होंने इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में 82 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मुख्यमंत्री लैपटॉप योजना में भी चयनित हुई है।

टैलेंटेड क्रिकेटर है देवांशी, जल्द ही क्रिकेट के क्षेत्र में दिखेगा जिले का नाम

खेलो में जिले के कम ही खिलाड़ी बड़े स्तर पर पहुँच पाए हैं, कम सुविधाओं के बीच कई खिलाड़ियों ने अपने टेलेंट के दम पर बड़ा मुकाम हासिल कर रहे हैं। नगर की युवा क्रिकेटर देवांशी चौधरी ने सबसे अधिक कॉम्पिटिशन वाला खेल क्रिकेट को चुना ओर अपनी प्रतिभा और लगातार प्रैक्टिस और कोच की निगरानी मेहनत कर इस मुकाम पर पहुँची है और ऐसा करने वाली जिले की पहली महिला क्रिकेटर है। नगर के खेल प्रेमियों को उम्मीद की देवांशी ही जल्द ही जिले की बड़ी पहचान बन कर उभरेगी। अब तक हुए प्रैक्टिस मैचो में देवांशी का प्रदर्शन बढ़िया रहा है जिस के आधार पर अंतिम 23 तक पहुँची है, अब अंतिम 16 में पहुँचने कि खुशियों का हर किसी को इंतजार है।

उपचुनाव जिला पंचायत का, नजरें विधानसभा चुनाव पर

माही की गूंज, खवासा।

जिला पंचायत झाबुआ के वार्ड क्रमांक 9 उपचुनाव संपन्न हुआ। परिणाम गणना 17 जून को और परिणाम की घोषणा 20 जून को की जाएगी। यह उपचुनाव जिला पंचायत के महज एक वार्ड का था लेकिन चुनाव को लेकर जो बेचैनी दोनों ही दलों में देखी गई वो हैरान करने वाली थी। इस चुनाव के परिणाम का जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर हाल फिलहाल कोई असर नहीं होने वाला है, लेकिन राजनीति के जानकार लोग इसे आने वाले विधानसभा चुनाव का लिटमस टेस्ट मान रहे हैं और इस चुनाव में दोनों ही दलों ने बहुत बड़े-बड़े वादे किए। अब भाग्य किसका खुलता है यह तो ईवीएम ही उगलेगी।

मतदान में लोगों ने दिखाई उदासीनता

उपचुनाव में कांग्रेस, भाजपा, जयस, निर्दलीय आदि ने जोर-शोर से प्रचार किया लेकिन मतदाताओं ने घरों से बाहर निकलकर मतदान केंद्र तक पहुंचने में उदासीनता दिखाई। बात करें खवासा की तो यहां महज 43 प्रतिशत वोटिंग हुई, वही संपूर्ण वार्ड में देखे तो कुल 41 हजार 106 मतदाताओं में से 24 हजार 197 लोगों ने मतदान किया। जिसमें 11 हजार 899 पुरुष तथा 12 हजार 298 महिला शामिल रही, कुल मतदान प्रतिशत 58.86 प्रतिशत रहा।

अब आगे क्या...?

निश्चित रूप से अगर इस सीट से कांग्रेस विजयी रहती है तो इसका सारा श्रेय क्षेत्र में गांधीवादी छवि रखने वाले विधायक वीरसिंह भूरिया को ही जाएगा। क्योंकि उन्होंने नामांकन दाखिल और नामवापसी के पश्चात से ही पूरे वार्ड में सघन जनसंपर्क किया और पूरे प्रचार के दौरान कांग्रेस से केवल वो ही आगे नजर आए। हालांकि कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी प्रचार में योगदान दिया लेकिन वो विधायक के नेतृत्व में ही किया।

अगर बात भाजपा की की जाए तो पूरे प्रचार में भाजपा के हारने पर यह कलसिंह भाभर की व्यक्तिगत हार होगी और उनके आगे भी राह कठिन हो सकती है। नया नेतृत्व इस हार को मुद्दा उठाकर विधानसभा में उनकी दावेदारी को कमजोर कर सकता है। वहीं कांग्रेसी की अगर हार होती है तो भी विधायक वीरसिंह भूरिया की छवि पर कोई विशेष फर्क नहीं पड़ेगा और विजय होने पर सारा श्रेय विधायक भूरिया को ही मिलेगा।

अगर बात करें जयस संगठन की तो पिछले कई वरिष्ठ नेता भी नजर आए। यह सीट भाजपा के अ.ज.जा. मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाभर के ग्रह क्षेत्र की महत्वपूर्ण सीट हे अगर भाजपा विजय होती है तो यह भाजपा के सामूहिक नेतृत्व की जीत होगी। क्योंकि भाजपा ने यहां योजनाबद्ध तरीके से आक्रमक चुनाव प्रचार किया। इसके विपरीत चुनाव में भी कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों ने जयस प्रत्याशी को कमजोर प्रत्याशी माना था लेकिन परिणाम ने दोनों ही दलों की नींद उड़ा दी थी और जयस का दावा इस बार भी कुछ ऐसा ही है, भले ही प्रचार में भाजपा और कांग्रेस आगे दिखाई दे रही थी लेकिन जयस का आंतरिक चुनाव प्रचार भी कुछ कम नहीं था और फलिया-फलिया तक जयस द्वारा व्यक्तिगत संपर्क भी किया गया था। वहीं अन्य दो प्रत्याशियों ने भी अपनी-अपनी जीत के दावे जरूर किए हैं लेकिन उनके दावों में दम नहीं दिखाई देता है। पांच उम्मीदवारों के इस चुनाव में मुख्य रूप से कांग्रेस, भाजपा और जयस में ही मुकाबला दिखाई दे रहा है इसमें से बाजी कौन मारेगा यह तो समय ही बताएगा।

प्रचार में जनता मुखर

इस चुनाव में नेताओं को प्रचार के दौरान जनता के आक्रोश का भी सामना करना पड़ा। भीषण गर्मी में जल संकट को लेकर कई सवाल उठे और नेता इसमें कतराते रहे। यहां पेयजल सिंचाई और स्वास्थ्य के मुद्दे पर आम जनता ने सवाल पूछे वही नेता केवल आश्वासन देते ही नजर आए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422